सीआरपीएफ समाचार

वर्ष 65 | अंक 6 | जुलाई-अगस्त, 2019

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

राजभाषा विशेषांक

कीर्ति चक्र





श्री हर्षपाल सिंह
उप कमाण्डेन्ट (अब द्वि.कमा.अधि.)

शौर्य चक्र







सिपाही जाकिर हुसैन

सिपाही साबले दयानेश्वर श्रीराम

वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक







शहीद सिपाही मो. मोजाहिद खान

श्री एल. एबोम्चा सिंह, सहायक कमाण्डेंट



माननीय केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय को के.रि.पु.बल के 81वें स्थापना दिवस पर
श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, ग्रुप केन्द्र, हैदराबाद में स्थापित
शहीद स्मारक पर पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

मुख्य संरक्षक :
श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक

संपादकीय सलाहकार मण्डल
अध्यक्ष :
श्री प्रदीप कुमार सिंह,
पुलिस महानिरीक्षिक (आसूचना)
सदस्य : श्री धीरज कुमार, उप महानिरीक्षक (परिचालन–2), श्री एम. धिनाकरण, उप महानिरीक्षक (आसूचना), श्री राजकुमार, कमाण्डेन्ट (आसूचना), श्री निखिल रस्तोगी, कमाण्डेन्ट (परिचालन), श्री समीर कुमार श्रीवास्तव, कमाण्डेन्ट (कल्याण) एवं श्री राजीव कुमार, द्वि.क.अधि.(आसूचना)

मुख्य संपादक :
डॉ. जी.सी. दाश
(जन संपर्क अधिकारी)
संपादक :
अरविन्द कुमार सिंह (निरीक्षक / हिन्दी अनुवादक)
संपादकीय सहायता :
जितेन्द्र कुमार (उ.नि. / आशुलिपिक)
राम कुमार (स.उ.नि. / मं.)
राजेश कुमार (स.उ.नि. / मं.)
चित्र :
जन संपर्क फोटो सेल, महानिदेशालय और सीआरपीएफ यूनिट्स

संपादकीय कार्यालय :
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, ब्लाक–1, केन्द्रीय कार्यालय परिसर, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
दूरभाषः 24360649
महानिदेशक सीआरपीएफ की ओर से मुद्रित और प्रकाशित :
मित्तल इण्टरप्राइजेज, 485, पटपडगंज इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली–92

कवर पेज : 73वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कीर्ति चक्र, शौर्य चक्र एवं वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक से सम्मानित बहादुर अधिकारी एवं जवान।

इस अंक में

		पृष्ठ संख्या
1.	महानिदेशक का राजभाषा संदेश	02
2.	के.रि.पु.बल ने मनाया अपना 81वाँ स्थापना दिवस	03
3.	के.रि.पु.बल 75 वीरता पदक से अलंकृत	08
4.	फिक्की ने किया के.रि.पु.बल को सम्मानित	15
5.	के.रि.पु.बल एवं कावा को फोग्सी द्वारा मिला सम्मान	17
6.	के.रि.पु.बल की महिला कर्मियों के लिए सुरक्षात्मक गियर	18
7.	सीआरपीएफ ग्रैंड चैलेंज	19
8.	सैरेबल पॉल्सी जैसी गम्भीर बीमारी में भी वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स में निशा ने जीता गोल्ड मेडल	20
9.	संयुक्त अस्पताल, के.रि.पु.बल, बिलासपुर(छत्तीसगढ) में पहला ''हिप रिप्लेसमेंट''	21
10.	लॉ एण्ड ऑर्डर रिफ्रेशर कोर्स–झारखंड सेक्टर के.रि.पु.बल की अनूठी पहल– संजय आ. लाठकर, भा.पु.से., महानिरीक्षक	22
11.	सहायक कमाण्डेंट (राजभाषा) की कलम से – मुहम्मद इकबाल खान, सहायक कमाण्डेन्ट (राजभाषा)	25
12.	भौतिकता के मृगमरीचिका की तलाश में युवा पीढ़ी– धर्मराज यादव, सू0मे0 / हि0अनु0	26
13.	विश्व में हिंदी की पहचान – निरी0 / हि0अनु0 रमेश कुमार पाण्डेय	28
14.	हिंदी दिवस – निरी0 / हि0अनु0 के0 सुन्दरेसन	29
15.	आशा का उजाला – उप निरी0 / मंत्रा0, कृष्णा कुमार	30
16.	एकता – उप निरी0 / मंत्रा0, सुशील कुमार सिंह	31
17.	हिंदी बोलना हमारी 'ड्यूटी' है– निरी0 / हि0अनु0 एस0एल0 सुमन	32
18.	आओ हिंदी को अपनाए– निरी0 / हि0अनु0 कमलेश कुमार	32
19.	हिंदी पखवाड़ा – सू0मे0 / हि0अनु0 सुजीत कुमार सिंह	33
20.	आजादी – सिपाही / जीडी नारायण सिंह मेरावी	33
21.	अन्तः रक्षक – उप निरी0 / मंत्रा0, धर्मेन्द्र सिंह यादव	34
22.	मातृभाषा के प्रति धर्म– हवलदार / जीडी विक्रान्त कुमार	34
23.	नारी तू अपनी शक्ति को पहचान– भारती यादव पत्नी निरीक्षक / जीडी प्रमेन्दर	35
24.	अनुशासन – उज्जवल राठी सुपुत्र निरीक्षक / जीडी नीतू राठी	35
25.	महानिदेशक, के.रि.पु.बल का पूर्वोत्तर सेक्टर, के.रि.पु.बल का दौरा	36
26.	महानिदेशक के दौरे	38
27.	महानिदेशालय के कार्यक्रम	39
28.	राजभाषा सम्मान	43
29.	विविध कार्यक्रम	43
30.	कावा कार्यक्रम	46
31.	उपलब्धियाँ	47
32.	पदोन्नति / प्रत्यावर्तन / स्थानान्तरण / शहीदों को सलाम	51
33.	महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र	52

सीआरपीएफ समाचार एक द्विमासिक पत्रिका है। इसमें प्रकाशित किये जाने वाले विचार लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं। विभाग की नीति से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। – **मुख्य संपादक**

महानिदेशक का राजभाषा संदेश

14 सितम्बर, 2019



हिंदी दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा में हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। भारत गणराज्य के प्रत्येक केन्द्रीय कार्यालय में हिंदी पूरी तरह सरकारी कार्यों की भाषा बन सके, इसी अपेक्षा में प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को "हिंदी दिवस" मनाया जाता है।

संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भारत संघ की राजभाषा है। संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुसार केन्द्र सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह हिंदी का व्यापक प्रचार प्रसार करे जिससे कि यह देश की सामासिक संस्कृति की संवाहिका बन सके।

इस कड़ी में आज हिंदी की व्यापकता को देखें तो देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी यह लोकप्रियता प्राप्त कर रही है। 11वां 'विश्व हिंदी सम्मेलन' मॉरीशस में सफलतापूर्वक आयोजित होना इसका उदाहरण है। मेरा मानना है कि जब तक हम अपने घर, समाज व देश में अपनी मातृभाषा को उचित महत्व नहीं देते, तो दूसरों से उसको महत्व देने की अपेक्षा करना व्यर्थ है। इसीलिए प्रत्येक सुधार अपने आप से शुरू किया जाना चाहिए।

आज हिंदी का विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में पठन-पाठन हो रहा है। साहित्य, कला, संगीत, ज्ञान-विज्ञान, संचार व बाजार-विनिमय में हिंदी ने अपनी सार्थक उपयोगिता सिद्ध की है। यह भी उल्लेखनीय है कि हिंदी किसी क्षेत्रीय भाषा की प्रतिस्पर्धी न होकर सहयोगिनी है। हमें इस सत्य को स्वीकार करके आगे बढ़ना होगा।

भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन हमने अपने कार्यालयों में प्रत्येक स्तर पर किया है। क्षेत्रीय राजभाषा व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (नराकास) से केरिपुबल के अनेक कार्यालयों को राजभाषा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त होना इसका जीवंत उदाहरण है। इन उपलब्धियों के बावजूद भी कहीं न कहीं सुधार की संभावना सदैव रहती ही है, जिसे हमें स्वीकार करते हुए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए।

केरिपुबल में भारत के प्रत्येक क्षेत्र से जवान भर्ती होते हैं, इसलिए मुख्यतः हमारी एक-दूसरे से संवाद की भाषा हिंदी होती है। जहां तक मैं समझता हूं हमारे बल का प्रत्येक सदस्य हिंदी को बोल एवं समझ लेता है। इसलिए हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि हम कार्यालयी कामकाज हिंदी में ही करें ताकि जिसके लिए हम यह काम कर रहे हैं, वो इसे पढ़कर अच्छी तरह समझ सकें, तभी सही मायनों में सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन हो सकेगा।

हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर मैं अपील करता हूँ कि सभी अधिकारी स्वयं राजभाषा नियमों से परिचित हों और इसके प्रावधानों को अपने कार्यालयों में वास्तविक रूप से लागू करें व हिंदी में कार्य करने का उचित वातावरण बनाएं। स्वयं हिंदी में लिखें व आपसी संवाद में इसका यथोचित प्रयोग कर गौरवान्वित महसूस करें। इससे अधीन कार्मिक भी प्रेरित होंगे और कार्यालयिक कार्य आसानी से हिंदी में हो सकेगा, यही संविधान व सरकार की भावना के अनुकूल भी होगा।

आप सभी को पुनः हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

राजीव भटनागर

(राजीव राय भटनागर) भा.पु.से.
महानिदेशक

के.रि.पु.बल ने मनाया अपना 81वाँ स्थापना दिवस



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय एवं श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर सलामी देते हुए।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में 27 जुलाई 2019 को अपना 81वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री नित्यानंद राय, माननीय गृह राज्य मंत्री थे। इस अवसर पर बल के महानिदेशक श्री राजीव राय भटनागर, बल के वरिष्ठ अधिकारी, जवान, मीडियागण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।



मुख्य अतिथि श्री राय ने इस अवसर पर मातृभूमि के लिए अपना सर्वोच्च न्योछावर करने वाले शहीदों को पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित किया। श्री राय ने पुष्पांजलि अर्पित कर सभा को संबोधित करते हुए बल की वीरता की समृद्ध लम्बी परम्परा और जवानों की आहुति के बारे में बताया। बल की अतिरंजित भावना को समेटते हुए मंत्री जी ने कहा कि के.रि.पु.बल देश के लिए जीना और देश के लिए मरना जानता है। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि के.रि.पु.बल उन लोगों के दिलों को जीतने में कोई कसर नही छोडता है, जो राष्ट्र विरोधी तत्व बन गये हैं, चाहे वे जम्मू व कश्मीर में आतंकवादी हो, उतरपूर्व में उग्रवादी हो या माओवादी। उन्होने आशा व्यक्त किया कि आने वाले समय में जम्मू कश्मीर आतंकवाद के कहर से मुक्त होगा। मंत्री जी ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में के.रि.पु.बल की भूमिका की सराहना करे हुए कहा कि के.रि.पु.बल देश के लोकतांत्रिक ढाँचे को मजबूत किया है। उन्होने कहा कि के.रि.पु.बल के कर्मियो द्वारा प्रर्दशित सेवा, वीरता, बलिदान और कर्त्तव्य के प्रति समर्पण के गुणों के कारण पूरे देश को गर्व की अनुभूति होती है। इस अवसर पर मंत्री जी ने कहा की बल देश की आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने में अपने भविष्य के सभी प्रयासों में सफल होगा।



इस कार्यक्रम में बोलते हुए, श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल ने कहा कि बल के पास आरंभ से ही बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान की समृद्ध विरासत है। उन्होंने कहा कि बल के जवानों द्वारा लिखी गई वीरता की गाथा, बल के अधिकारियों, जवानों



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर नमन करते हुए।



श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

और महिला कर्मियों द्वारा जीते गए वीरता पदकों की बढ़ती संख्या से स्पष्ट होती है। बल की बहुआयामी भूमिका के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए कोई भी चुनौती होने पर के.रि.पु.बल हमेशा अपना कदम बढ़ाती है।

मुख्य अतिथि श्री राय ने कार्यक्रम स्थल से जाने से पूर्व राष्ट्रीय पुलिस स्मारक के परिसर में संग्रहालय का भी दौरा किया। इस अवसर पर श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल और कई वरिष्ठ अधिकारी और जवान उपस्थित थे। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में देश भर में फैले के.रि.पु.बल के विभिन्न संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

27 जुलाई 1939 को सीआरपीएफ क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में अस्तित्व में आया। इसे आजादी के तुरंत बाद जीवन का एक नया पट्टा दिया गया था, जब इसे 28 दिसम्बर 1949 को फिर से नामित किया गया और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के रूप में फिर से डिजाइन किया गया। देश की आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में महत्वपूर्ण कार्य के.रि.पु.बल लगातार 80 वर्षों से समर्पण और अद्वितीय शौर्य के साथ करते आ रही है।



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय, श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल के साथ राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय का निरीक्षण करते हुए।



स्थापना दिवस के अवसर पर इंडिया गेट पर आयोजित विशेष कार्यक्रम

के.रि.पु.बल ने 27 जुलाई 2019 को पूरे देश में अपने सभी संस्थानों में अपना 81वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जिसमें मुख्य समारोह नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस सामारोह को दो भागों में, पूर्वाह्न में चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर तथा दोपहर बाद इंडिया गेट पर विशेष कार्यक्रम के साथ मनाया गया। इन दोनों कार्यक्रमों में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय, श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल और बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी, जवान और उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। 80 वर्षों से इस तिथि को यादगार के रूप में मनाया जा रहा है।

इंडिया गेट पर समारोह, जो एक घंटे से अधिक समय तक आयोजित किया गया, उसमें सी.आर.पी.एफ. म्यूजिक बैण्ड डिस्प्ले, बल की महिला डेयरडेविल्स द्वारा मोटर साईकिल प्रदर्शन और फ्लैगशिप– अहमदाबाद, गुजरात में द्रुत कार्य बल साईकिल अभियान आदि शामिल था, जो इंडिया गेट पर समाप्त हुआ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के मौके पर निकाली गई इस रैली को 15 जुलाई को अहमदाबाद से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था, उन्होंने 12 दिनों में 986 किलोमीटर की दूरी की यात्रा तय कर इंडिया गेट, नई दिल्ली पहुंचे। सभी के साथ, टीम के सदस्यों ने जल संरक्षण पर विशेष जोर देने के साथ स्वच्छता और सामाजिक सद्भाव के संदेशों का प्रसार किया गया।

इसी तरह, सी.आर.पी.एफ. की प्रसिद्ध महिला मोटर साईकिल टीम में लगभग 50 महिला कार्मिक शामिल की और अपने प्रदर्शन में लगभग 20 मोटरसाईकिलों के साथ, उन्होंने जोश एवं जज्बे का प्रदर्शन किया। उन्होंने वीआईपी–सलामी, फ्लैग मार्च, सीढ़ी पर चढ़ना और पिरामिड इत्यादि जैसे मोटरसाईकिल–जनित साहसी कार्य किए, जो दर्शकों के मन को लुभा दिया।



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय
साईकिल अभियान कमाण्डर श्री मनोज कुमार, उप कमाण्डेन्ट को सम्मानित करते हुए।



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय
बैण्ड कमाण्डर श्री प्रमोद कुमार, उप कमाण्डेन्ट को सम्मानित करते हुए।



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय
मोटर साईकिल कमाण्डर निरीक्षक/जीडी (महिला) सीमा नाग को सम्मानित करते हुए।

इंडिया गेट पर के.रि.पु.बल द्वारा प्रदर्शित कार्यक्रम की झलक









केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय एवं श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल इंडिया गेट पर के.रि.पु.बल के 81वां स्थापना दिवस पर के.रि.पु.बल स्कूल, रोहिणी के बच्चों के साथ





ग्रुप केन्द्र, हैदराबाद में के.रि.पु.बल का 81वाँ स्थापना दिवस



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, ग्रुप केन्द्र, हैदराबाद में स्थापित शहीद स्मारक पर पुलवामा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

'हमारी सरकार आंतरिक सुरक्षा समस्या को नियंत्रित करने के लिए दृढ़ निश्चयी है।' – श्री जी. किशन रेड्डी, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार।

ग्रु.के. के.रि.पु.बल, चन्द्रायन गुट्टा, हैदराबाद में आयोजित के.रि.पु.बल 81वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर बोलते हुए माननीय गृह राज्य मंत्री भारत सरकार ने केन्द्र सरकार का रूख स्पष्ट किया कि सभी प्रकार के आंतरिक सुरक्षा सम्बन्धी समस्याएं दृढता के साथ नियंत्रित की जाएगी। माओवादियों की हिंसा में सी.आर.पी.एफ की भूमिका की सराहना करते हुए संतोष व्यक्त किया कि पिछले पाँच वर्षों में इस मुददे पर मजबूती के साथ खड़े रहने के कारण माओवादी हिंसा में बहुत कमी आयी है। कार्यक्रम के अंत में माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री ने अधिकारी एवं जवानों के परिवारो के साथ बातचीत की।



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी को के.रि.पु.बल के 81वें स्थापना दिवस पर श्री एम.आर. नायक, भा.पु.से. महानिरीक्षक, दक्षिणी सैक्टर स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।



माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, के.रि.पु.बल के 81वें स्थापना दिवस पर ग्रुप केन्द्र, हैदराबाद में परेड कन्टींजेन्ट का निरीक्षण करते हुए।

के.रि.पु.बल 75 वीरता पदक से अलंकृत

पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी देश के 73वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सबसे बड़े केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल – के.रि.पु.बल को वीरता के लिए 75 पदक (01 कीर्ति चक्र, 02 शौर्य चक्र, 02 वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक तथा 70 वीरता के लिए पुलिस पदक) से अलंकृत किया गया है। इसके साथ ही अब तक बल के बहादुर जवानों द्वारा अर्जित किए गए वीरता पदकों की कुल संख्या 1900 तक पहुँच गई है – जो देश के सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल में अब तक के इतिहास में सर्वाधिक पदक है।

73वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा की गई घोषणानुसार बल के 01 बहादुर अधिकारी को कीर्ति चक्र – जो शांति काल का दूसरा सर्वोच्च वीरता पदक है, 02 बहादुर जवानों को शौर्य चक्र – जोकि शांति काल का तीसरा सर्वोच्च वीरता पदक है, से सम्मानित किया गया है। बल के 02 अन्य बहादुर जवानों को प्रतिष्ठित वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है, जिनमें से एक मरणोपरांत है। बल के बाकी 70 बहादुर जवानों को उनके अदम्य साहस, बहादुरी और मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पण की भावना हेतु वीरता के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।

इन शौर्य पदकों में से प्रत्येक के पीछे उनके अदम्य साहस, कर्तव्य के प्रति समर्पण, मातृभूमि के लिए निष्ठा और उन सबसे बढ़कर दृढ़ संकल्प की कहानी जुड़ी है, जो की के.रि.पु.बल की पहचान है।

यहाँ उल्लेख करना आवश्यक है कि इस वर्ष कुल 180 वीरता पुरस्कारों में से, के.रि.पु.बल ने अकेले ही 72 पदक हासिल किए–जो सभी सशस्त्र पुलिस बलों में सबसे ज्यादा है। वीरता पदकों की यह गणना के.रि.पु.बल के बहादुर जवानों को सम्मानित किए गए 01 कीर्ति चक्र और 02 शौर्य चक्र के अलावा है।

इसके अतिरिक्त, के.रि.पु.बल को 4 विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक एवं 57 सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किया गया, जो के.रि.पु.बल के साहस और कर्तव्यपरायणता को दर्शाता है एवं जो राष्ट्र के शांति प्रहरी के रूप में प्रशंसित है।

कीर्ति चक्र



श्री हर्षपाल सिंह
उप कमाण्डेन्ट (अब द्वि.कमा.अधि.)

कीर्ति चक्र से सम्मानित के.रि.पु.बल के साहसी अधिकारी हर्षपाल सिंह ने 12 और 13 सितंबर 2018 को साहस की बेमिशाल गाथा लिखी, जब उन्होंने अपने साथियों के साथ जम्मू–कश्मीर में जैश–ए–मोहम्मद के तीन खूँखार आतंकवादियों को मार गिराया। जम्मू के झझार कोटली अन्तर्गत धीरती गाँव, उनके दृढ संकल्प का गवाह है। उनके साथी शौर्य चक्र पुरस्कार विजेता सिपाही जाकिर हुसैन और टीम के बाकी साथी भारी हथियारों से लैस तीन विदेशी आतंकवादियों को बाहर निकालने और खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प लिया। श्री हर्षपाल सिंह एवं इनके साथियों ने आतंकियों की गोलियों और ग्रेनेड के बौछारों की परवाह किए बिना बहादुरी पूर्वक तब तक आगे बढ़े, जब तक कि घर में छिपे तीनों आतंकवादियों को मार न गिराया गया।

शौर्य चक्र



सिपाही जाकिर हुसैन

सिपाही साबले दयानेश्वर श्रीराम

शौर्य चक्र से सम्मानित के.रि.पु.बल के साहसी जवान सिपाही जाकिर हुसैन ने 12 और 13 सितम्बर 2018 को साहस की बेमिशाल गाथा लिखी, जब वह अपने साथियों के साथ जम्मू–कश्मीर में जैश–ए–मोहम्मद के तीन खूँखार आतंकवादियों को मार गिराया। जम्मू के झझार कोटली अन्तर्गत धीरती गाँव, उनके दृढ संकल्प का गवाह है। उनके वरिष्ठ अधिकारी कीर्ति चक्र पुरस्कार विजेता श्री हर्षपाल सिंह, उप कमाण्डेंट और बाकी साथियों ने भारी हथियारों से लैस तीन विदेशी आतंकवादियों को बाहर निकालने और खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प लिया। सिपाही जाकिर हुसैन एवं इनके साथियों ने आतंकियों की गोलियों और ग्रेनेड के बौछारों की परवाह किए बिना बहादुरी पूर्वक तब तक आगे बढ़े, जब तक कि घर में छिपे तीनों आतंकवादियों को मार न गिराया गया।

शौर्य चक्र से अलंकृत 53 बटालियन के जवान सिपाही साबले दयानेश्वर श्रीराम अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय देते हुए जम्मू व कश्मीर के बारामुला थाना क्षेत्र के अन्तर्गत कलहर में दो खूँखार आतंकवादियों को मार गिराने का बीड़ा उठाया। सिपाही श्रीराम 19 अक्टूबर, 2018 को जब श्रीनगर– बारामुला पर नाका ड्यूटी पर थे, तब पुलिसकर्मियों द्वारा वाहन तलाशी के दौरान वाहन से फायरिंग आ गई। सिपाही श्रीराम ने अदम्य साहस दिखाते हुए न केवल एक आतंकवादी को करीब से मार गिराया, बल्कि दूसरे आतंकवादी का भी पीछा किया और मार गिराया। दोनों जैश–ए–मोहम्मद के आतंकवादी थे और खतरनाक इरादों से निकले थे।

वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक



शहीद सिपाही
मो. मोजाहिद खान

श्री एल. एबोम्चा सिंह
सहायक कमाण्डेंट

धैर्य और साहस की एक और कहानी, श्री एल. एबोम्चा सिंह, सहायक कमाण्डेंट और शहीद सिपाही मो. मोजाहिद खान से जुड़ी है। इन दोनों को प्रतिष्ठित वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। यह घटना श्रीनगर के करन नगर में 12 एवं 13 फरवरी 2018 की है, जिसमें साहसी युगल ने अपने साथियों के साथ लश्कर–ए–तैयबा के हथियारबंद आतंकवादियों पर हमला किया। इनका लक्ष्य निर्माणाधीन इमारत में छिपे अंधाधुंध गोलीबारी और ग्रेनेड विस्फोट का सहारा ले रहे आतंकवादियों को मार गिराना था। दोनों आतंकवादियों का सफाया करने के लिए दिनांक 12 फरवरी को शुरू होने वाले मिशन से एक दिन पहले तूफान आया था और रातभर भारी बर्फबारी में स्वयं को तैयार करना था, हालांकि श्री सिंह ने ऐसी खतरनाक स्थिति में अपने जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिपाही खान चोटिल होने के बावजूद कर्तव्य के प्रति अत्यधिक दृढ़ संकल्प और समर्पण दिखाते हुए अपनी चोट की परवाह किए बिना आतंकवादियों को उलझाए रखा और अपने लक्ष्य में सफल हुए। जो इनके अदम्य साहस, दृढ़ता एवं कर्तव्यों के प्रति सर्मपण को प्रदर्शित करता है।

वीरता के लिए पुलिस पदक


शहीद हवलदार वीर सिंह


शहीद सिपाही सतीश चन्द


शहीद हवलदार एस.एन. सिंह यादव


श्री दिलीप मल्लिक, उप कमाण्डेंट


श्री डी.के. मिश्रा, सहा.कमा. (अब उप कमाण्डेंट)


उप निरीक्षक अभय शर्मा


सिपाही दिलीप कुमार


निरीक्षक दौलत खान


सिपाही जोगिन्दर सिंह


सिपाही विनोद कुमार चौधरी


सिपाही अनूप कुमार


सिपाही बलविन्दर कुमार


सिपाही सुब्रता मण्डल


सिपाही चवन अविनाश रघुनाथ


सिपाही कालीपडा बर्मन


हवलदार पवन कुमार


हवलदार चमेल सिंह


श्री अभिनव पाण्डेय, सहा. कमाण्डेंट


उप निरीक्षक संदीप कुमार मिश्रा


सिपाही मिन्टु विश्वास


श्री राजेश कुमार, कमाण्डेंट


श्री आर.एन. मल्लिक, सहा. कमाण्डेंट


श्री राजेश कुमार बरनेला, सहा. कमाण्डेंट


हवलदार बिपलब विश्वास


सिपाही श्रीनिवासुलु पी.

वीरता के लिए पुलिस पदक

सिपाही तसलीम आरिफ मीर

श्री नवीन कुमार झा, सहा. कमाण्डेंट

सिपाही जावेद अहमद गुज्जर

उप निरीक्षक चमन गिरी

हवलदार सुहास एम.

सिपाही सितल सिंह

सिपाही अनूप कुमार सिंह

हवलदार उपेन्द्र कुमार यादव

सिपाही जितूमोनी राय

श्री राजेश कुमार, कमाण्डेंट

श्री संजय कुमार, द्वि.कमा.अधि.

श्री सिकन्दर यादव, सहा. कमाण्डेंट

हवलदार महेन्दर सिंह

हवलदार सुभाष सिंह

सिपाही अखिल दास

श्री हरि शंकर शुक्ला, सहा. कमाण्डेंट

हवलदार हरीश कुमार

सिपाही सुनील कुमार

सिपाही कंगकन दास

सहा. उप निरी. अंकेश संगमा

श्री बालकिशन यादव, सहा. कमाण्डेंट

उप निरी. पॉल एल. कुंगटे

सिपाही प्रकाश पासवान

सिपाही राजपाल

सिपाही सुशील कुमार

वीरता के लिए पुलिस पदक



उप निरीक्षक (अब निरीक्षक)
नन्दलाल राम



हवलदार गुलविन्दर सिंह



सिपाही (अब हवलदार)
यशवंत कुमार सिंह



सिपाही सोमराज



श्री जय प्रकाश सिंह, द्वि.कमा.अधि.



सिपाही रमेश कुमार सिंह



श्री सुरेन्द्र सिंह देव, उप कमाण्डेंट



हवलदार आर.के. कुशवाहा



सिपाही अभिषेक कुमार सिंह



सिपाही सूर्यदेव दास



श्री रवि शर्मा, सहा. कमाण्डेंट



श्री नरेश कुमार, सहा. कमाण्डेंट



श्री एबी थॉमस, सहा. कमाण्डेंट



सिपाही बुधी सिंह



सिपाही रंजन कुमार



सिपाही देवसंत कुमार



सिपाही (अब हवलदार) संत राम सिंह



श्री नीरज कुमार झा
सहा. कमाण्डेंट (अब उप कमाण्डेंट)



सिपाही (अब हवलदार) शोभा राम



सिपाही (अब हवलदार) धीरेन्द्र सिंह



विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक



डॉ. टी. शेखर
महानिरीक्षक,
सी.एस.जे.डब्ल्यू.टी. बेलगाम



दिनेश कुमार त्रिपाठी
उप महानिरीक्षक,
ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल, मोकामाघाट



सुनील जून
उप महानिरीक्षक,
महानिदेशालय



बी. रघु
सहायक कमाण्डेंट
117 बटा. के.रि.पु.बल, श्रीनगर

सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	इरला / बल सं.	पदनाम	नाम	कार्यालय
1	3390	उप महानिरीक्षक	मनीष कुमार सचर	रेंज रॉची
2	3622	कमाण्डेन्ट	प्रभाकर त्रिपाठी	191 बटालियन
3	3566	कमाण्डेन्ट	राकेश राव	201 कोबरा
4	3562	कमाण्डेन्ट	राकेश कुमार	61 बटालियन
5	4188	कमाण्डेन्ट	संदीप कुमार चौबे	ग्रुप केन्द्र भोपाल
6	4192	कमाण्डेन्ट	मोहम्मद जमाल खान	150 बटालियन (वर्तमान में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में प्रतिनियुक्ति पर)
7	4247	कमाण्डेन्ट	उदय प्रताप सिंह	23 बटालियन
8	4198	कमाण्डेन्ट	आनन्द झा	184 बटालियन
9	4200	कमाण्डेन्ट	राजीव कुमार	35 बटालियन
10	5914	द्वितीय कमान अधिकारी	सुखवीर सिंह	127 बटालियन
11	5925	द्वितीय कमान अधिकारी	फ्रान्सीस तिर्की	114 बटालियन
12	5926	द्वितीय कमान अधिकारी	किशोर कुमार कन्हार	21 बटालियन
13	5928	द्वितीय कमान अधिकारी	गोबर्धन सेठी	165 बटालियन
14	5931	द्वितीय कमान अधिकारी	सूर्य मणी बेहरा	रेंज जमशेदपुर
15	6405	उप कमाण्डेन्ट	बीरेश्वर साहा	ग्रुप केन्द्र अगरत्तला
16	6468	उप कमाण्डेन्ट	सुकमल डे	उप महानिरीक्षक (परिचालन मीदनापुर)
17	6468	उप कमाण्डेन्ट	अशोक कुमार सिल	167 बटालियन

18	6904	उप कमाण्डेन्ट	पीर मोहम्मद	ग्रुप केन्द्र खटखटी
19	7387	उप कमाण्डेन्ट	डोल्फी जाकोब	ग्रुप केन्द्र जमशेदपुर
20	810706966	निरीक्षक	रणजीत सिंह	166 बटालियन
21	810719151	निरीक्षक	सतबीर सिंह	40 बटालियन
22	811160234	निरीक्षक	हनुमान सिंह	35 बटालियन
23	811171014	निरीक्षक	दर्शन कुमार	137 बटालियन
24	821330649	निरीक्षक	रणधीर सिंह शेखावत	03 बटालियन
25	821310238	निरीक्षक	सहदेव सिंह मुण्डा	133 बटालियन
26	821310737	निरीक्षक	जी.एन. पाण्डेय	47 बटालियन
27	821131415	निरीक्षक	शंकर लाल शर्मा	सी0टी0सी नीमच
28	820500087	निरीक्षक	सोहन लाल	166 बटालियन
29	821110524	निरीक्षक	जय राम	आर0टी0सी0 आवडी
30	821270888	निरीक्षक	जयपाल सिंह	83 द्रुत कार्य बल
31	831320147	निरीक्षक	चन्द्र भान	आर0टी0सी0 जोधपुर
32	810390193	उप निरीक्षक	प्रताप सिंह	179 बटालियन
33	820060052	उप निरीक्षक	जोगा सिंह	21 बटालियन
34	820230045	उप निरीक्षक	अंगद पाण्डेय	ग्रुप केन्द्र रॉची
35	831160043	उप निरीक्षक	जी. मणीनाथन पिल्लई	97 द्रुत कार्य बल
36	830729151	उप निरीक्षक	मो. यासीन	54 बटालियन
37	840740047	उप निरीक्षक	सिकन्दर अली	183 बटालियन
38	841170433	उप निरीक्षक	लखविन्दर सिंह	181 बटालियन
39	841121129	उप निरीक्षक	भंवर लाल	ग्रुप केन्द्र–दो अजमेर
40	841151866	उप निरीक्षक	निंगथुजम लोम्बा सिंह	143 बटालियन
41	841221686	उप निरीक्षक	अब्राहम कुंजुमन	141 बटालियन
42	841140775	उप निरीक्षक	ध्रुब मांजी	110 बटालियन
43	851330299	उप निरीक्षक	सधान चन्द्र भौमिक	168 बटालियन
44	830759308	सहायक उप निरीक्षक	शप्पी खान	92 बटालियन
45	861270147	सहायक उप निरीक्षक	लडे केशव सोपान	242 बटालियन
46	861321328	सहायक उप निरीक्षक	मणि राम	195 बटालियन
47	861140342	सहायक उप निरीक्षक	गजेन्द्र सिंह	ग्रुप केन्द्र अमेठी
48	862290839	सहायक उप निरीक्षक	सुरेन्द्र कुमार	55 बटालियन
49	871150551	सहायक उप निरीक्षक	जगदीश सिंह	151 बटालियन
50	871221389	सहायक उप निरीक्षक	सुरेश आर.ए.	143 बटालियन
51	850779697	हवलदार	नागेन्द्र राय	226 बटालियन
52	860881464	निरीक्षक (महिला)	श्रीमति यश्वन्ति	232 (महिला) बटालियन
53	953354892	हवलदार (महिला)	ममता मुदुली	213 (महिला) बटालियन
54	851151859	निरीक्षक/आर.ओ.	सतनाम सिंह	सी.टी.सी. (टी. एण्ड आई.टी.)
55	850797427	उप निरीक्षक/आर.ओ.	विजय कुमार मोक्षी एन	02 बेतार बटालियन
56	830726686	उप निरीक्षक/आर्मोरर	सैयद सलीमुददीन	ग्रुप केन्द्र बैंगलोर
57	820440299	हवलदार/चालक	कुंवर सिंह	22 बटालियन

फिक्की ने किया के.रि.पु.बल को सम्मानित

के.रि.पु.बल – राष्ट्र के शांति प्रहरी, न केवल एक बहादुर बल हैं, बल्कि एक स्मार्ट बल है। यह अलग–अलग मंचो पर प्राप्त होने वाली मान्यता से सिद्ध होती है। के.रि.पु.बल के बहादुर जवानों को केन्द्र सरकार द्वारा 01 कीर्ति चक्र, 02 शौर्य चक्र सहित 75 वीरता पदक से सम्मानित किए जाने के एक सप्ताह बाद ही देश के मशहूर व्यापारिक संस्था ने इस समय एक 'स्मार्ट' पहल करते हुए के.रि.पु.बल को सम्मानित किया है। फिक्की ने नई दिल्ली में होमलैंड सिक्योरिटी–2019 कार्यक्रम मे तीन प्रतिष्ठित विशिष्ट पुरस्कारों से सम्मानित किया। के.रि.पु.बल को स्मार्ट पहल के तीन अलग–अलग क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। के.रि.पु.बल के आई.ई.डी. मैनेजमेंट संस्थान, पुणे, जम्मू और कश्मीर में के.रि.पु.बल मानवतावादी पहल के रूप में ''मददगार'' कार्यक्रम तथा नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ में यह बड़े पैमाने पर किये जा रहे मानवीय सिविक एक्शन प्रोग्राम के रूप में उल्लेखनीय कार्य हेतु फिक्की स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड–2019 प्रदान किया गया है। यह संस्थान बम का पता लगाने व निपटान करने या आतंकवाद से त्रस्त जम्मू व कश्मीर और नक्सल–प्रभावित छत्तीसगढ के लोगों के साथ मानवीय संबंध को काफी प्रभावी ढंग से मजबूत कर रही है। यह पुरस्कार डॉ. जितेन्द्र सिंह, राज्यमंत्री पी.एम.ओ., भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली के एक कार्यक्रम मे प्रदान किया गया।

पुरस्कार पाने वालों में से एक आई.आई.एम., के.रि.पु.बल पुणे देश के पुलिस कार्मियों के बीच एक तरह से आन्दोलन की अगुवाई कर रहा है, जिससे उन्हें विस्फोटक उपकरणों का पता लगाने और कीमती मानव जीवन और संपत्ति को बचाने मे मदद मिलेगी। यह संस्थान देश मे आज तक का एक अलग किस्म का संस्थान है जो अन्य पुलिस एजेंसियो के साथ मिलकर देश विरोधी तत्वों जो सुरक्षा बलों एवं आम नागरिकों को समान रूप से निशाना बनाने के लिए आई.ई.डी. का उपयोग कर रहे हैं उनके कुत्सित प्रयासों को विफल करने का काम कर रही है यह संस्था आतंकवाद प्रभावित विशेषकर जम्मू और कश्मीर, एल.डब्ल्यू.ई. क्षेत्र और कुछ संवेदनशील शहरी क्षेत्रों में आतंकवादियो को नाकाम करने के लिए अपनी स्थापना के वर्ष 2012 से ही स्वयं के कार्मिकों एवं अन्य बलों के कार्मिकों को प्रशिक्षण दे रही है एवं उपकरणयुक्त बना रही है। के.रि.पु.बल जो आई.ई.डी. विस्फोटों के दंश झेलती है, छिपे हुए विस्फोट को पता लगाने और उन्हे नष्ट करने के लिए जमीन पर काम कर रही है। बल, कर्मियों के बीच आई.ई.डी संवेदीकरण करने के अपने प्रयास में, आई.आई.एम., पुणे एक ई–लर्निंग मोड्यूल्स शुरू करने की प्रक्रिया में है, जो इस दिशा में एक फोर्स गुणक के रूप में कार्य करेगा। संस्थान के ऐसे प्रयासों और सामान्य रूप से कर्मियों की वजह से वर्ष 2018 इसका गवाह है कि देश में 162 आई.ई.डी. बरामदगी की तुलना में केवल 18 आई.ई.डी. विस्फोट हुए हैं।

के.रि.पु.बल की हेल्पलाइन ''मददगार'', जिसे विशेष जूरी अवार्ड से समानित किया गया था, ने जम्मू–कश्मीर के लोगों को उनकी जरूरत के समय में मदद करने के लिए आम लोगों के साथ मजबूत सबंध स्थापित करने में सफल हुआ है। ''मददगार'' टेलीफोन नं. 14411 राज्य से बाहर और भीतर रह रहे कश्मीरियों को मदद पहुंचाने के उददेश्य से मदद वाली हाथ बढ़ाने के रूप में स्थापित की



डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय राज्यमंत्री पी.एम.ओ., भारत सरकार, श्री धीरेन्द्र वर्मा, प्राचार्य/कमाण्डेंट, आई.आई.एम. पुणे को 'काउण्टर आई.ई.डी. मेनास' के लिए फिक्की स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड–2019 से सम्मानित करते हुए।



डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय राज्यमंत्री पी.एम.ओ., भारत सरकार, श्री सुधीर कुमार, कमाण्डेंट, 85 बटा. के.रि.पु.बल को नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सिविक एक्शन प्रोग्राम के लिए विशेष जूरी अवार्ड–2019 से सम्मानित करते हुए।

रेखांकित करता है। इस तरह के कार्यक्रम जैसे स्थानीय लोगों के जीवनयापन को आसान बनाते हैं, उन्हें सिविक एक्शन प्रोग्राम के माध्यम से लोगों के विश्वास जीतने में काफी हद तक मदद मिलती है। के.रि.पु.बल छत्तीसगढ के सुदूर और नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर जैसे लोगों की चिकित्सा देखभाल, उनके बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं और गरीबी, पिछड़ेपन और अशिक्षा से उत्पन्न अन्य घरेलू आवश्यकताओं के लिए मदद करता रहा है।

गई थी तथा इसका विस्तार अन्य संचार के प्लेटफार्म जैसे कि फेसबुक, ट्वीटर तथा एसएमएस(7082814411) से भी किया गया है। कोई भी कश्मीरी सार्वजनिक उपयोगिताओं से लेकर चिकित्सा तत्कालिकता, महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा, सार्वजनिक सुरक्षा से लेकर भर्ती और मौसम आदि के बारे में ''मददगार'' के माध्यम से के.रि.पु.बल तक पहुँच सकते हैं और मदद ले सकते हैं। इस पहल की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जुलाई 2019 तक बमुश्किल 2 वर्षों में सीआरपीएफ ''मददगार'' को 3 लाख 81 हजार से ज्यादा कॉल आ चुके हैं तथा हैल्पलाईन 24 x 7 चालू है।

अभी तक के.रि.पु.बल के सिविक एक्शन कार्यक्रमों के लिए दिया जाने वाले विशेष जूरी अवार्ड के.रि.पु.बल जो छत्तीसगढ़ सहित एल.डब्ल्यू.ई. क्षेत्रों मे नक्सलियों से जूझता रहा है, के मानवीय चेहरे को

श्री धीरेन्द्र वर्मा, प्रिंसिपल, आई.आई.एम., पुणे को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण श्रेणी के तहत फिक्की स्मार्ट पुलिसिंग अवार्ड 2019 प्राप्त हुआ, जबकि विशेष जूरी पुरस्कार श्री सुधीर कुमार, कमाण्डेंट, 85 बटालियन एवं श्री गुल जुनैद खान, सहायक कमाण्डेंट, परिचालन कश्मीर सेक्टर को क्रमशः अन्य पुलिसिंग इनिशिएटिव श्रेणी में।



डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय राज्यमंत्री पी.एम.ओ., भारत सरकार, श्री गुल जुनैद खान, सहायक कमाण्डेंट, परिचालन कश्मीर सैक्टर, के.रि.पु.बल को सीआरपीएफ हेल्पलाईन मददगार के लिए विशेष जूरी अवार्ड–2019 से सम्मानित करते हुए।

के.रि.पु.बल एवं कावा को फोग्सी द्वारा मिला सम्मान



माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के,रि.पु.बल को सम्मानित करते हुए।

फेडरेशन ऑफ ऑब्स्ट्रेटिक एण्ड गायनेकोलॉजिकल सोसाईटी ऑफ इंडिया द्वारा के.रि.पु.बल के महानिदेशक श्री राजीव राय भटनागर और के.रि.पु.बल परिवार कल्याण संस्था की अध्यक्ष श्रीमति मनु भटनागर को प्रतिष्ठित 'वी फॉर स्त्री' एवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन भी उपस्थित थे।

महिलाओं के स्वास्थ्य जिसमें किशोरावस्था से लेकर रजोवृति कल्याण तक शामिल हैं, के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्रीमति एवं श्री भटनागर को इस प्रतिष्ठत पुरस्कार के लिए चुना गया है। डॉ. मनु भटनागर जो पेशे से स्वयं डॉक्टर है, 3.25 लाख सदस्यो वाली बल के परिवारों को सामाजिक– आर्थिक, चिकित्सा सेवा को उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय परिवार कल्याण संस्था का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन कर रही हैं। महानिदेशक श्री भटनागर के विचारशील समर्थन से के.रि.पु.बल के परिवार कल्याण संस्था अपने प्रयासों मे सफल हो रही है। परिवार कल्याण संस्था, स्वास्थ्य और सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण अंतराल को भरने मे सक्षम हो गयी हैं, खासकर बल के परिवारों के सदस्यों को जब उनके पुरूष सदस्य देश सेवा में उनसे दूर तैनात होते हैं। श्रीमति भटनागर ने बल के परिवार के सदस्यों के लिए कावा को गो–टू–डेस्क के रूप मे परिवर्तित कर दिया है, जिसका लाभ वे किसी भी प्रकार की चिकित्सा, वित्तीय या अन्य सहायता के रूप में ले सकते हैं। श्री राजीव राय भटनागर तथा डॉ मनु भटनागर के नेतृत्व में के.रि.पु.बल तथा परिवारिक मोर्चा यानि कावा ने संयुक्त कल्याण पहल के तहत फोग्सी जिसके अध्यक्ष डॉ. नंदिता पालसेटकर हैं, के सहयोग से के.रि.पु.बल के 05 ग्रुप केन्द्र के 50/100 बिस्तरों वाले अस्पतालों मे विशेषज्ञो से सुसज्जित कराया है। इस पहल ने के.रि.पु.बल कर्मियों के परिवारों मे स्वास्थ्य जागरूकता पैदा की है और उन्हें जरूरत पड़ने पर सही समय पर शीघ्र स्वास्थ्य सुविधा प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा वैज्ञानिक सत्र के माध्यम से डॉक्टर नर्सों और पैरा मेडिकल स्टाफ के क्षमता निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कावा एक पंजीकृत स्वयंसेवी संस्था है जो राष्ट्र के शांति प्रहरी– के.रि.पु.बल के जवानों के परिवारों के लाभ के लिए विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य, समाजिक–आर्थिक और अन्य कार्यक्रम आयोजित करती है।



माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन डॉ. मनु भटनागर, अध्यक्ष कावा को सम्मानित करते हुए।

के.रि.पु.बल की महिला कर्मियो के लिए सुरक्षात्मक गियर



श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल, श्री ए.के. सिंह, महानिदेशक, जीवन विज्ञान, श्री भुवनेश कुमार, निदेशक, डी.आई.पी.ए.एस. तथा डी.आर.डी.ओ. के सम्मानित वैज्ञानिको तथा के.रि.पु.बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में महिलाओं के लिए विशिष्ट फुल बॉडी प्रोटेक्टर का अनावरण करते हुए।

महिलाएं, आज न केवल बहु क्षेत्रीय सेवाओं का अभिन्न अंग हैं, बल्कि सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। फोर्सेस भी कोई इसका अपवाद नहीं है, जहां महिलाएं अलग–अलग सीमाओं पर अलग–अलग भूमिका में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और लोहा मनवा रही हैं।

आज, दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और व्यावसायिकता के माध्यम से, पुलिस बलों में महिलाओं ने अपनी उपस्थिति को काफी प्रभावी ढ़ंग से महसूस कराया है।

यह सम्मान महिला पुलिस कर्मियों के लिए आसान नहीं है। महिला विशिष्ट सुरक्षात्मक गियर के अभाव में चुनौतीपूर्ण कर्तव्य को निभाना और अधिक चुनौतीपूर्ण साबित होते हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आज तक, ऐसी महिलाएं विशिष्ट सुरक्षात्मक गियर बाजार में उपलब्ध नही था।

वर्ष 2016 में, पुलिस में महिलाओं के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन में महिलाओं के लिए विशिष्ट सुरक्षात्मक गियर का विचार सामने आया। इसके बाद, इस मुद्दे को लोकसभा में तत्कालीन सांसद श्रीमति अनुप्रिया पटेल ने पुलिस और सशस्त्र बलों में महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा के दौरान उठाया। इस पर गृह मंत्रालय ने तुरंत कार्रवाई की और के.रि.पु.बल के श्रीमति अनुपम कुलश्रेष्ठ, पुलिस महानिरीक्षक (संभरण) की अध्यक्षता मे एक समिति गठित की गई।

डी.आई.पी.ए.एस. (डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज), डीआरडीओ के साथ घनिष्ठ सहयोग में के.रि.पु.बल के अथक और ठोस प्रयासों से 2 वर्षों के बाद इसका डिजाईन तैयार हो सका। डी.आई.पी.ए.एस. के वैज्ञानिको ने महिलाओं के लिए बॉडी प्रोटेक्टर डिजाइन करने के लिए के.रि.पु.बल की द्रुत कार्य बल की महिला टुकड़ियों का सावधानी पूर्वक अध्ययन किया। इस अग्रणी प्रयास का फल आज तब मिला जब श्री ए.के. सिंह, महानिदेशक जीवन विज्ञान, श्री भुवनेश कुमार, निदेशक डी.आई.पी.ए.एस. तथा डी.आर.डी.ओ. के सम्मानित वैज्ञानिकों तथा के.रि.पु.बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक के.रि.पु.बल द्वारा महिलाओं के लिए विशिष्ट फुल बॉडी प्रोटेक्टर का अनावरण किया गया।

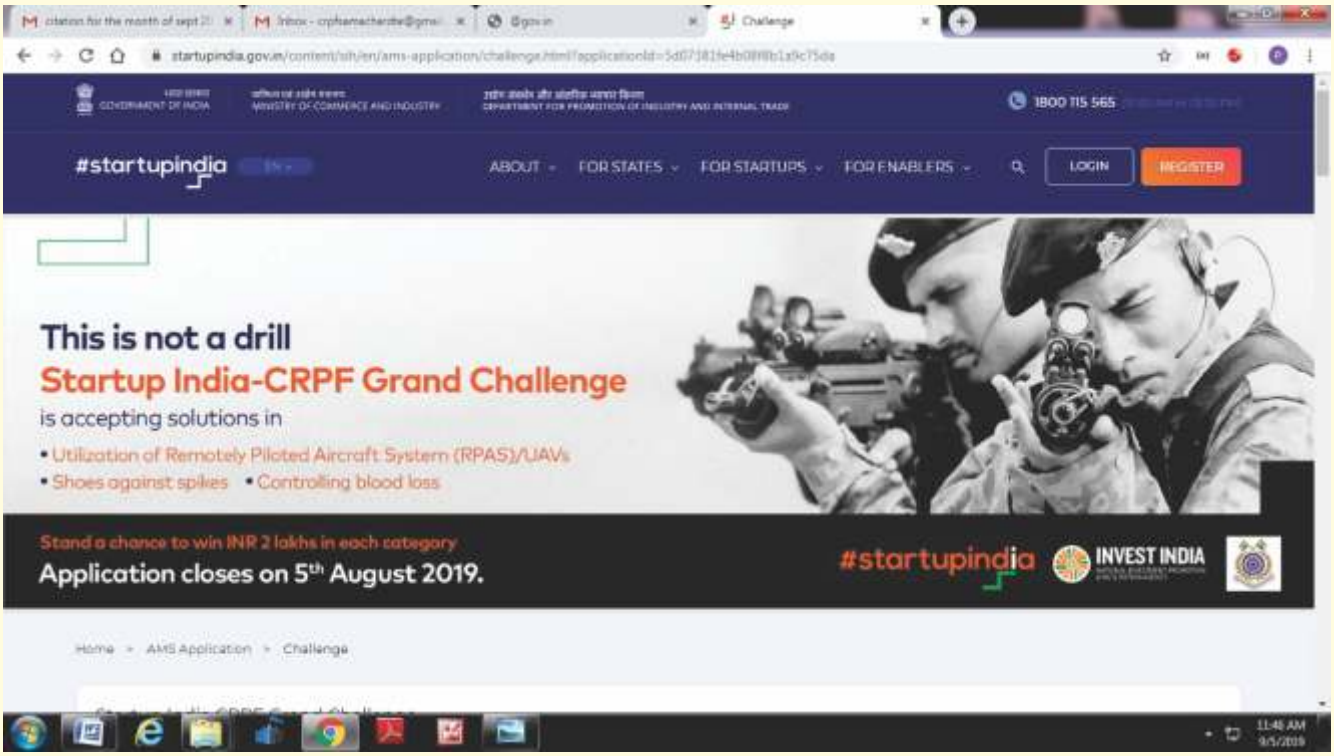
इस उपकरण के आने से कानून–व्यवस्था की ड्यूटी मे तैनात महिला कर्मी अधिक सुविधा महसूस करेगी। महिलाओं के लिए विशिष्ट प्रकार के शरीर कवच और निहित के क्षेत्र में रास्ता तैयार करने के प्रयास ने आगे अनुसंधान और विकास के लिए भी मार्ग प्रशस्त किया है।

सीआरपीएफ ग्रैंड चैलेंज

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने सुरक्षा के क्षेत्र में स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स की पहचान करने के उद्देश्य के साथ 'सीआरपीएफ ग्रैंड चैलेंज' नाम से प्रारम्भ करने के लिए स्टार्टअप इंडिया जिसके पास केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा सामना की जा रही प्रमुख चुनौतियों को पता लगाने के लिए परिवर्तनात्मक समाधान एवं जो व्यवसायिक रूप से व्यवहार्य हो के साथ (डी.आई.पी.पी. के तत्वाधान में) साझेदारी की।

यह कार्यक्रम बल की परिचालनिक आवश्यकताओं के लिए तकनीकी विषेशज्ञता का लाभ उठाकर उसके समाधान के लिए स्टार्टअप को अनूठा अवसर प्रदान करता है। निम्नलिखित लिंक पर उसका विवरण उपलब्ध हैं: –

https://www.startupindia.gov.in/content/sih/en/ams-application/challenge.html?applicationId=5d07381fe4b08f8b1a9c75da



समाधान प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2019 थी। प्रत्येक प्रॉब्लम के विजेता को 2 लाख का नकद पुरस्कार मिलेगा और कार्यात्मक उपयुक्तता की आकलन के लिए परीक्षण पर रखा गया है।

अपनी तरह का यह पहला प्रयास के अनुभव के आधार पर भविष्य में भी ऐसे ही चैलेंज उक्त वेबसाईट पर प्रस्तुत किए जाते रहेंगे, जिससे देश विदेश से नामांकन आ सके।

सैरेबल पॉल्सी जैसी गम्भीर बीमारी में भी वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स में निशा ने जीता गोल्ड मेडल

पूर्वी यूरोप के क्रोएशिया देश में आयोजित वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स कॉम्पिटीशन ओसिजेक–2019 में अजमेर के केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप केन्द्र–दो में रहने वाली निशा कंवर ने 10 मीटर एयर रायफल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रौशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन 25 से 30 जुलाई के दौरान किया गया।

निशा के पिता जितेन्द्र सिंह वर्तमान में ग्रुप केन्द्र–दो, के.रि.पु.बल अजमेर में निरीक्षक के पद पर तैनात हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि निशा की मेहनत रंग लाई, रोजाना घंटों की अभ्यास और एक ही लक्ष्य होल्ड इन गोल्ड। सीकर के महरौली के रहने वाली शूटर निशा कंवर जन्म से ही सैरेबल पॉल्सी बीमारी से पीड़ित हैं, लेकिन वर्ल्ड कप में जिस तरह से निशा ने प्रदर्शन किया, उसे देखकर कहा जा सकता है कि निशा का जोश और जज्बे के आगे बीमारी नतमस्तक है। अब तक निशा ने नेशनल सहित अन्य प्रतियोगिताओं में 07 गोल्ड मेडल और 3 सिल्वर मेडल जीत चुकी है।

शूटिंग के इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में निशा ने 19 देशों के शूटर्स को पछाड़कर भारत का नाम रोशन किया। निशा ने कुल 230.7 प्वाइंट हासिल किए। निशा ने तर्की, हंगरी, ईराक, थाईलैंड, चीन, यूक्रेन सहित अन्य 19 देशों के पैरा शूटर्स को पीछे कर सर्वाधिक अंक हासिल किए।

गोल्ड मेडलिस्ट निशा को मिला सम्मान

अनिल ढौडियाल, उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र–प्रथम एवं पुखराज जयपाल, उप महानिरीक्षक ग्रुप केन्द्र– दो, केरिपुबल अजमेर द्वारा क्रोशिया में आयोजित वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स महिला वर्ग एयर पिस्टल प्रतियोगिता में दो गोल्ड मेडल जीतने वाली निशा कंवर को सम्मानित किया।



श्री पुखराज जयपाल, उप महानिरीक्षक ग्रुप केन्द्र–दो एवं श्री अनिल ढौडियाल, उप महानिरीक्षक, ग्रुप केन्द्र–प्रथम, के.रि.पु.बल अजमेर वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स महिला वर्ग एयर पिस्टल प्रतियोगिता में दो गोल्ड मेडल जीतने वाली निशा कंवर को सम्मानित करते हुए।

संयुक्त अस्पताल, के.रि.पु.बल, बिलासपुर (छत्तीसगढ) में पहला "हिप रिप्लेसमेंट"





डॉ. एस. जयाबालन, हड्डी रोग सर्जन एवं उनकी टीम –डॉ. जसबिन्दर सिंह, एनाथिसिसिओलॉजिस्ट, उ.नि./एफ.एस.एन. सुरेन्द्र कौर, उ.नि./एम.एस.एन. ओमप्रकाश, स.उ.नि./ओ.टी. राकेश कुमार एवं नर्सिंग सहायक शान्ता मोहन द्वारा संयुक्त अस्पताल, बिलासपुर के ऑपरेशन थियेटर में हिप रिप्लेसमेंट ऑपरेशन।

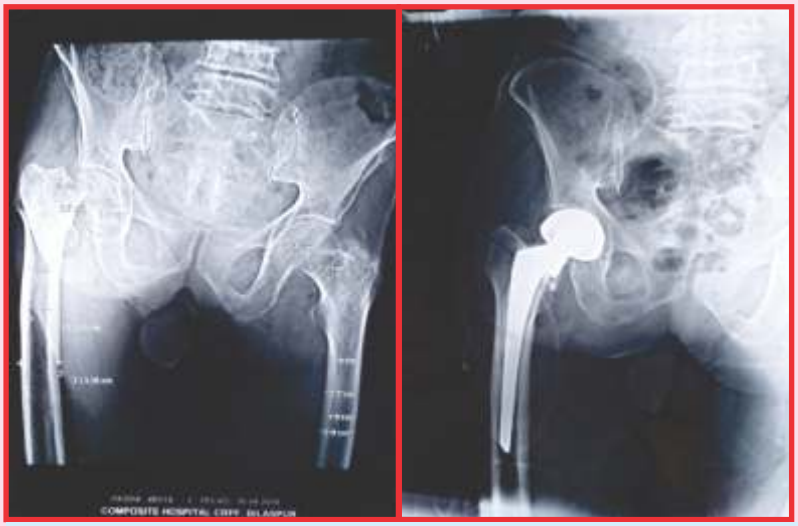
रोगी का नाम– **श्रीमती प्रियंका तिवारी** माताजी उ.नि. (मंत्रा.) अरूण कुमार तिवारी, संयुक्त अस्पताल, बिलासपुर

निदान– **ओल्ड फ्रैक्चर नेक ऑफ राईट फेमूर** (आठ माह पुराना)

संक्षिप्त इतिहास– रोगी की हालत पहले 8 माह स्पष्ट रूप से सामान्य थी। वह जमीन पर मामूली रूप से गिर गयी थी और दाहिने कुल्हे मे तेज दर्द था और खड़े होकर चलने मे असमर्थ थी। इन्होने प्राइवेट अस्पताल में ईलाज कराया लेकिन बीमारी ठीक नही हुआ। तभी से वे बिस्तर पर पड़ी रहती थी। उन्होने संयुक्त अस्पताल मे दिनांक 24/04/2019 को गैर सफाई संबंधी स्थिति मे आयी।

शल्य प्रक्रियाः– **बाईपोलर सेमेन्टेड हेमियाथ्रोप्लास्टीः–** डॉ. एस. जयाबालन, हड्डी रोग सर्जन एवं उनके टीम की निगरानी में संयुक्त अस्पताल मे पहली बार दिनांक 11/05/2019 को हिप रिप्लेसमेंट हुआ। राईट हिप अण्डर एस.ए विथ सप्लीमेंट जी.ए। वो ऑपरेशन के दूसरे दिन से पूर्ण भार वहन के सहारे चलना शुरू कर दी। चार सप्ताह के बाद वह स्वतंत्र रूप से चलना प्रारम्भ कर दी तथा अभी वह स्वस्थ्य एवं खुशहाल हैं।

रोगी का रेडियोग्राफ



ऑपरेशन से पूर्व एक्स–रे मापन (बायें) तथा ऑपरेशन के बाद एक्स–रे (दायें)

लॉ एण्ड ऑर्डर रिफ्रेशर कोर्स - झारखंड सेक्टर के.रि.पु.बल की अनूठी पहल



संजय आ. लाठकर, भा.पु.से.
महानिरीक्षक, झारखंड सेक्टर

विभिन्न पुलिस बलों में गिर रहे स्वास्थ्य स्तर के कारण, उनकी परिचालन दक्षता पर प्रतिकूल प्रभाव किसी भी वर्दीधारी बल के लिए बेहद चिन्ता का विषय है। के.रि.पु.बल में भी सभी रैंकों में अनेकों कार्मिक विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रसित हैं, जिससे परिचालन हेतु अयोग्य कार्मिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है और इससे सभी आयु वर्ग इसकी चपेट में आ रहे हैं। आश्चर्यरूप से यह एक ऐसा अव्यक्त विषय है जिसका हमारी उच्च प्राथमिकताओं में स्थान नहीं है। यद्यपि अधिकारिक तौर पर हमारे कार्मिक अपने आप को शारीरिक रूप से फिट रखने हेतु अनेकों प्रकार से प्रयासरत रहते हैं, फिर भी समय के साथ, व्यक्तिगत लापरवाही के कारण स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों पर लापरवाह हो जाते हैं। परिणामतः निम्न चिकित्सा श्रेणी के व्यक्तियों की अब एक बड़ी संख्या परिचालनिक प्रकार की ड्यूटी के निष्पादन हेतु अयोग्य करार हो रही है और उनका काम उनके सहकर्मियों पर बढ़ने के कारण पूरे तंत्र पर स्पष्ट दबाव पड़ रहा है।

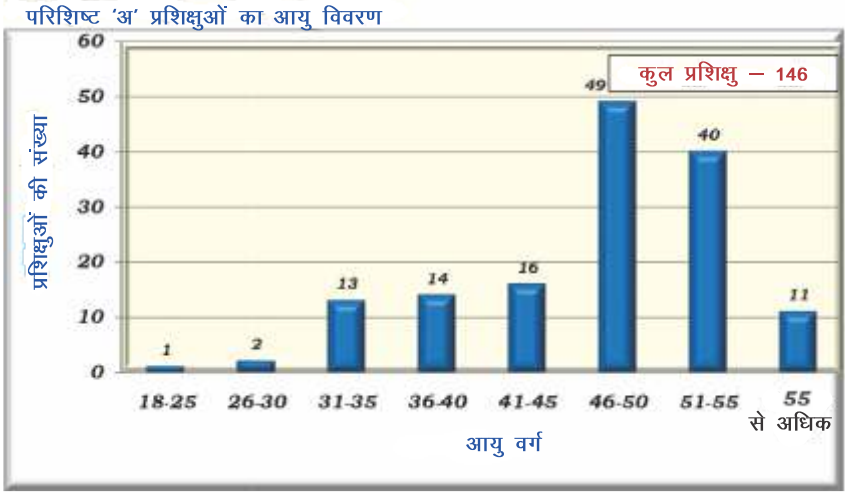
इनमें से अधिकांश कार्मिक मोटापे, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी बीमारियों तथा मधुमेह से ग्रसित हैं। अगर इन स्वास्थ्य सम्बन्धी जोखिमों का चिकित्सा शास्त्र के अनुसार समाधान नहीं किया जाए तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

इन परिस्थितियों से चिंतित होकर, झारखण्ड सेक्टर ने इन कार्मिकों की स्वास्थ्य संबंधी जीवनशैली में सुधार करने हेतु एक विस्तृत प्रायोगिक परियोजना, एक विशेषज्ञ दल की निगरानी में आरंभ की। इस प्रकार निम्न चिकित्सा श्रेणी कार्मिकों के लिए एक पुनश्चर्या कार्यक्रम आरम्भ किया गया, जिसका पर्यवेक्षण एक चिकित्साधिकारी, एक आहार विशेषज्ञ, एक योग अध्यापक, एक शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक तथा एक मनोचिकित्सक को सौंपा गया।

इस विचार को कार्यरूप देने के लिए इसकी जिम्मेदारी ग्रुप केन्द्र राँची को सौंपी गई। दिनाँक 14/02/2019 को झारखण्ड की विभिन्न बटालियनों से निम्न चिकित्सा श्रेणी के 146 कार्मिकों ने ग्रुप केन्द्र, राँची में रिपोर्ट किया। इस पाठ्यक्रम में शामिल कार्मिकों का विवरण परिशिष्ट 'अ' के रूप में संलग्न है।

प्रशिक्षणार्थीयों से शुरूआत में प्रारम्भिक चर्चा में, यह जानकार बहुत आश्चर्य हुआ कि पूरा का पूरा ग्रुप अपने स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक लापरवाह था और उनमें इस बात को लेकर अविश्वास था कि यह पाठ्यक्रम उनमें कोई वास्तविक बदलाव ला पाएगा। उनमें से कई जो कि सेवामुक्ति के कगार पर थे, उनको इसके फायदे समझाना बहुत ही मुश्किल था। चूँकि यह इस प्रकार का पहला कोर्स था, इसलिए इसमें शामिल प्रतिभागियों के मन में इसके उद्देश्य तथा ध्येय को लेकर अनिश्चितता तथा संशय का भाव था।

परिशिष्ट 'अ' प्रशिक्षुओं का आयु विवरण



इसके अलावा इस कोर्स हेतु नामांकित होने पर, अत्यधिक परिश्रम करने का आभास होने पर, उनमें से अधिकतर ने तो किसी न किसी बहाने से अपना नामांकन हटवाने की कोशिश की। उनके मन के इस नकारात्मक भाव को बदलना वास्तव में एक बहुत बड़ी चुनौती थी।

जैसे ही कोर्स की रूपरेखा निर्धारित हुई, तो प्रशिक्षण टीम को निर्देश दिया गया कि वह अत्यधिक कठिन प्रशिक्षण देने से बचें, प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन करें तथा लम्बे समय में उनको इससे मिलने वाले स्वास्थय लाभ के संबंध में जानकारी दें। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा स्वयं भी प्रशिक्षण टीम को यह सलाह दी गयी कि वे उनसे नियमित रूप से बातचीत करें तथा ऐसा माहौल विकसित करें जिससे प्रतिभागियों के मन में रूचि तथा भाग लेने की भावना स्वयं पैदा हो, जिस से प्रतिभागी स्वयं ही अपने स्तर पर उनके लिए निर्धारित कार्यक्रम में पहल करें।

इसके उपरान्त, पहले सप्ताह में सभी प्रतिभागियों की संयुक्त अस्पताल, राँची में चिकित्सीय जाँच की गई तथा उनका वजन, रक्तचाप, ई.सी.जी. इत्यादि को रिकार्ड किया गया। प्रतिभागियों के आयु ग्रुपों के विवरण से यह निष्कर्ष निकला कि अधिक आयु के कार्मिकों में स्वास्थ्य संबंधी बीमारियाँ अधिक थी।

इस कोर्स हेतु देवकमल अस्पताल, राँची के आहार विशेषज्ञ की सेवा ली गई और और उनके द्वारा एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में उन्होंने बहुत ही सरल शब्दों में साधारण तथा उपयुक्त भोजन के फायदे विस्तृत रूप से प्रतिभागियों को समझाए। उन्होंने एक डाइट चार्ट तैयार किया, जिसके अनुसार प्रशिक्षणार्थियों को कम कैलोरी, बिना तेल, बिना मसाले तथा रेशेदार युक्त भोजन ग्रहण करना था।

इसके साथ ही साथ दो योगा प्रशिक्षकों को नियमित योगा अभ्यास के महत्व की जानकारी देने के लिए बुलाया गया। उनके द्वारा योगा के विस्तृत सत्र आयोजित किये गये और प्रतिभागियों को अभ्यास करने के लिए विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया गया और उसकी क्रिया विधि बतायी गयी।

कोर्स के दौरान प्रशिक्षणार्थियों के लिए दिनचर्या निम्न प्रकार से निर्धारित की गई :–

➢ सुबह सबसे पहले गुनगुना पानी, इसके उपरान्त चाय/काढा ।

➢ मार्कर के बाद 0630 बजे से 0830 बजे तक प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए उसकी शारीरिक क्षमता के अनुसार 'रन एंड वाक' सत्र ।

➢ इस 02 घंटे के सत्र के दौरान प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को 02 लीटर पानी पीना होता था तथा सत्र के उपरांत 02 गिलास गुनगुना नींबू पानी पीना होता था ।

➢ नाश्ते के उपरांत एक घंटा आराम। इसके उपरांत 0930 बजे से 1130 बजे तक योगा अभ्यास।

➢ योगा सत्र के उपरांत 1130 बजे से 1430 बजे तक दोपहर का भोजन तथा आराम।

➢ अपराह्न में 1430 बजे से 1530 बजे तक कैम्प की साफ–सफाई ।

➢ अपराह्न में 1530 बजे से 1630 बजे तक 'रन एंड वाक' सत्र ।

➢ अपराह्न में 1700 बजे से .1800 बजे तक खेल तथा योगा सत्र, व्यक्तिगत रूचि के अनुसार ।

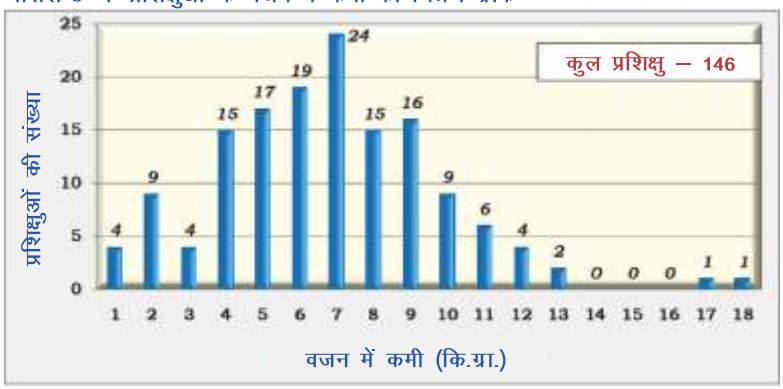
उपरोक्त के अतिरिक्त, इस दौरान निम्नलिखित पहलुओं को कड़ाई से लागू किया गया :–

➢ संयुक्त अस्पताल, राँची द्वारा प्रत्येक प्रतिभागी के वजन की रोजाना माप की गई और सप्ताहांत में उसकी समीक्षा की गई।

➢ वैट कैंटीन तथा बाहर के भोजन को सख्ती के साथ मना किया गया।

06 सप्ताह के उपरांत दिनांक 05/04/2019 को प्रशिक्षण का हुआ समापन, अत्यधिक प्रोत्साहित करने वाला था। प्रत्येक प्रतिभागी के वजन तथा रक्तचाप के स्तर में काफी कमी पायी गयी। एक प्रशिक्षणार्थी हवलदार/जीडी राम विनोद सिंह का 18 कि.ग्रा. वजन कम हुआ, जबकि बैच का औसतन 6.4 कि.ग्रा. वजन कम हुआ। कोर्स के दौरान विभिन्न आयु वर्गों द्वारा कम किये गये वजन का विवरण परिशिष्ट 'ब'

परिशिष्ट 'ब' प्रशिक्षुओं के वजन में कमी का चित्रण ग्राफ



'स' तथा 'द' में दर्शाया गया है। 11 प्रशिक्षणार्थी जिनकी आयु 55 वर्ष से अधिक थी, उन्होनें भी अत्यधिक रूचि और उत्साह का प्रदर्शन करते हुए प्रशिक्षण अवधि को पूर्ण किया। जैसे ही कोर्स समाप्त हुआ, प्रशिक्षणार्थियों की संयुक्त अस्पताल द्वारा

परिशिष्ट 'स' आयु वर्ग का चित्रण ग्राफ
प्रशिक्षुओं की संख्या तथा वजन में औसतन कमी



आयु वर्ग	18-25	26-30	31-35	36-40	41-45	46-50	51-55	55 से अधिक
प्रशिक्षुओं की संख्या	1	3	13	16	14	46	42	11

पुनः चिकित्सा जाँच की गई।

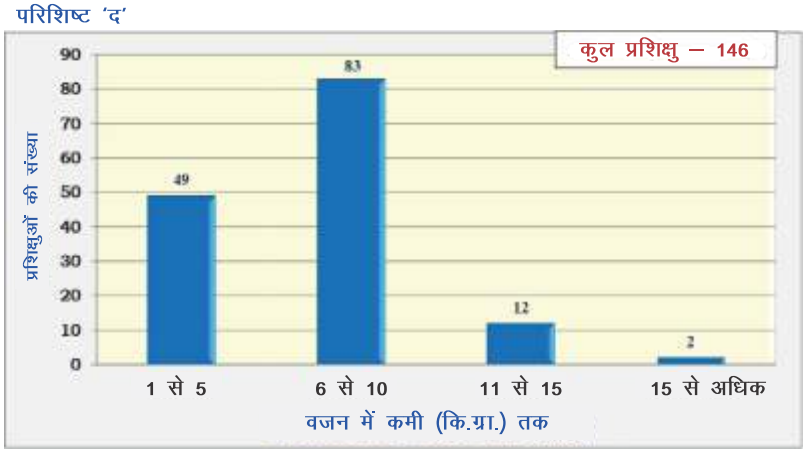
कोर्स के दौरान, प्रशिक्षणार्थियों का अनुशासन पूरे सत्र में उत्कृष्ट रहा। उन्होंने एक टीम के रूप में एक दूसरे से शानदार संबंध बनाये रखा और प्रत्येक कार्य को स्वस्थ्य वातावरण में पूर्ण किया।

कोर्स की समाप्ति के दौरान, जब प्रतिभागियों को पुनः पाठ्यक्रम की रूपरेखा के बारे में पूछा गया तो उनकी प्रतिक्रिया अत्याधिक उत्साहित करने वाली थी। लगभग सभी ने इसे बटालियन स्तर पर भी 60 दिन की अवधि के साथ आरम्भ करने के गुजारिश की। उन्होंने भोजन संबंधी प्रबंधो से लेकर अभ्यास सत्र तक, सभी पहलुओं की प्रशंसा की। कोर्स को आरम्भ करने के समय की तुलना में यह एक संतोषजनक बदलाव था, जिसमें प्रशिक्षणार्थी पूर्व में कोर्स की रूपरेखा को लेकर अत्यधिक आशंकित थे। 146 कार्मिकों में से 14 (10%) कार्मिकों का 10 कि.ग्रा. से अधिक, 97 (66%) कार्मिकों का 5 कि.ग्रा. से अधिक तथा 49 (35%) कार्मिकों का 5 कि.ग्रा. तक वजन कम हुआ।

कोर्स के दौरान जिन 6 कार्मिकों की पुर्ननिरीक्षण चिकित्सा जाँच बकाया थी, जॉच होने पर 3 (50%) कार्मिकों को शेप–वन घोषित किया गया तथा कोर्स के उपरान्त अब तक हुयी 16 कार्मिकों की वार्षिक चिकित्सा जाँच में 4 (25%) शेप–वन घोषित हो चुके है, जो कि कोर्स के दौरान किए गए प्रयासों की प्रभावकारिता तथा कारगर परिणाम को दर्शाता है। यदि कार्मिकों में जगाई गई यह प्रेरणा लगातार जारी रही तो इसकी बहुत प्रबल संभावना है कि आगामी चिकित्सा समीक्षा के दौरान इनमें से अधिकांश कार्मिकों के स्वास्थ्य में सुधार होकर वे शेप–वन हो जायेंगे।

शारीरिक और मनोवैज्ञानिक प्रणाली को व्यवस्थित करने के अतिरिक्त, इस कोर्स ने प्रतिभागियों को मनोवैज्ञानिक रूप से भी काफी मजबूत किया है और वे अब स्वयं सचेत हैं और उन्हें इस स्वस्थ दिनचर्या को भविष्य में भी अपनी जीवनशैली में जारी रखने की प्रेरणा मिली है।

परिशिष्ट 'द'





सहायक कमाण्डेंट (राजभाषा) की कलम से



मुहम्मद इकबाल खां
सहायक कमाण्डेंट(राजभाषा), महानिदेशालय

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है। कोई भी व्यक्ति अपने सामाजिक जीवन, रीति–रिवाज, परिवेश, परंपरा–सरोकार, सभ्यता एवं संस्कृति को भाषा के माध्यम से ही व्यक्त करता है। इसलिए भाषा व्यक्ति के साथ–साथ पूरे समाज की पहचान तथा धरोहर होती है। हमारा देश बहुभाषा–भाषी देश है। हमारे देश के संदर्भ में मेरा यह मत है कि भारत के राज्यों का पुनर्गठन भाषा के आधार पर हुआ है। उत्तर भारत के नौ राज्य– उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तरांचल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और राजस्थान हिंदी भाषी हैं। दक्षिण भारत में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना तेलुगू भाषी हैं, जबकि शेष तीन राज्यों–तमिल, कर्नाटक और केरल की भाषाएं क्रमशः तमिल, कन्नड़ और मलयालम हैं। दूसरी ओर पूर्वोत्तर भारत के आठ राज्यों में असमिया, बंगला, मणिपुरी भाषाएं तथा खासी, गारो, जयंतिया, नागामीज, मिजो प्रमुख बोलियां हैं। इसके अलावा भी ये आठों राज्य अनंत बोलियों के भंडार हैं और जो आज भी व्यवहार में हैं। पूर्व के राज्य–ओडिशा और पश्चिम बंगाल उड़िया और बंगला भाषी हैं तथा पश्चिम में गुजरात में गुजराती, महाराष्ट्र में मराठी भाषा है। पंजाब में पंजाबी है तो जम्मू–कश्मीर में उर्दू–डोगरी–कश्मीरी है। इन राज्यों में भी अनेक बोलियां व्यवहार में हैं। राज्यों के इस भाषावार विवरण को लिखने का तात्पर्य यह है कि हम तर्कों के आधार पर यह समझ सकें कि इस बहुभाषी और बहुबोलियों वाले देश में समस्त भारतवासी किस तरह आपस में बोलते हैं, एक दूसरे से संपर्क किस भाषा में करते हैं, एक जगह से दूसरी जगह जाने पर किस भाषा में बोलकर दूसरी भाषा के व्यक्ति से संपर्क स्थापित करते हैं ? इस सवाल का बड़ा आसान सा जबाब तर्क एवं सिद्धांतों के आधार पर हम इस प्रकार दे सकते हैं कि बहुभाषी समाज और देश में वैज्ञानिक और सामाजिक आधार पर धीरे–धीरे कोई एक भाषा ऐसी विकसित हो जाती है, जिसका प्रयोग पूरा समाज एवं देश करने लगता है। यह नैसर्गिक एवं स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिसे कोई भी नहीं रोक सकता। हिदी भी इसी नैसर्गिक एवं स्वभाविक प्रक्रिया के विकास का परिणाम है। यही कारण है कि सम्पूर्ण भारत में हिंदी संपर्क भाषा बन चुकी है और पंजाबी हिंदी, बिहारी हिंदी, हरियाणवी हिंदी, तमिल हिंदी, बंगाली हिंदी, अर्थात हर राज्य के अनुसार हिंदी बोली जाती है, प्रयोग में लाई जाती है। राज्य की बोली के अनुसार हिंदी का रूप सम्पर्क भाषा के माध्यम से हमारे सामने आता है।

हमारा संविधान इसे राजभाषा का दर्जा देता है और इसे हिंदुस्तानी धरोहर के रूप में परिभाषित करता है जिसमें देश की सभी भाषाओं की सामासिक संस्कृति एवं तत्व मिले हुए हैं इसलिए भारतीय संविधान ने अनुच्छेद 351 में हिंदी के विकास और प्रसार का जिम्मा संघ सरकार को सौंपा गया है। लेकिन वास्तविक धरातल पर हम देखते हैं तो पाते हैं कि भारत में भाषा के साथ समाज का व्यवहार और सरोकार बिल्कुल अलग तरह का रहा है। वर्षों की दासता ने हमारी भाषा, शिक्षा, संस्कृति, चिंतन और स्वभाव को इस तरह बना दिया कि हम हीन भावना से ग्रस्त हो गए हैं और अपनी ही विरासत को हेय और विदेशी भाषा, शिक्षा एवं चिंतन को श्रेष्ठ समझने लगे। हमारे भाषा व्यवहार पर विदेशी भाषाएं थोपी गईं। हमारी शिक्षा में, शासन के कामकाज में, यहां तक कि नैसर्गिक न्याय प्रणाली में भी विदेशी भाषाओं का चलन शुरू हुआ और हम अपनी भाषाओं की तुलना में विदेशी भाषाओं विशेषकर अंग्रेजी को श्रेष्ठ मानने के लिए विवश किए गए और हम हो भी गए। इसके बाद हम पाते हैं कि भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हिंदी ही संपर्क भाषा रही। इस आंदोलन के माध्यम से स्वदेशी और स्वभाषा के प्रति भारत के सोए हुए आत्मसम्मान को जागने का अवसर मिला। स्वाधीनता और हिंदी एक दूसरे की पूरक बनी। हिंदी स्वतंत्रता संग्राम की चेतना और अभिव्यक्ति का माध्यम बनी। इसका परिणाम हुआ कि जब देश को स्वतंत्रता मिली तो हिंदी को भारत के संविधान में राजभाषा का स्थान दिया गया परंतु उसी समय हिंदी में राजकाज के लिए ढांचागत सुविधा नहीं होने की बात कह कर वैकल्पिक व्यवस्था होने तक अंग्रेजी में काम करने की कामचलाऊ व्यवस्था शुरू हुई। यह कामचलाऊ व्यवस्था हमारे देश के संघीय ढांचे में लगभग स्थायी सी हो गई है। आज भी भारत संघ के सरकारी कामकाज की भाषा वही है, जो अंग्रेजी शासन की भाषा थी। संवैधानिक प्रावधानों के निर्वाह के लिए हिंदी एक प्रकार से मात्र अनुवाद की भाषा बनकर रह गयी है जबकि संवैधानिक अपेक्षा है कि हम सभी स्वंय मूल रूप से हिंदी में ही कार्य करें।

हिंदी आज आम–जन की भाषा है और वर्तमान में संघ सरकार की हिंदी के प्रति प्रेम अवश्य ही हम सभी हिंदी प्रेमियों में नई ऊर्जा का संचार करता है। देश एवं विदेश के प्रत्येक मंच पर माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार द्वारा हिंदी के प्रभावी प्रयोग का परिणाम है कि आज हम सभी भारतवासी हिंदी बोलने में गौरव का अनुभव कर रहे हैं। निश्चित ही हिंदी के लिए यह सुखद स्थिति है तथा इसका भविष्य उज्जवल है। बस आवश्यकता इसी बात की है कि हम भी इसको अपनाते हुए अपना सरकारी कार्य हिंदी में ही करें।

जय हिंद– जय हिंदी।

भौतिकता के मृगमरीचिका की तलाश में युवा पीढ़ी



धर्म राज यादव
सूबेदार मेजर/हिंदी अनुवादक
ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, लखनऊ

आज समाज और देश के सामने सबसे बड़े यक्ष प्रश्न हैं– हमारी युवा पीढ़ी कैसी हो, उसके चाल–चलन का रूप–स्वरूप क्या हो, उसके जेहन में बसे सपने कैसे हों और काम का ढंग कैसा हो? इसमें कोई दो राय नहीं कि युवा पीढ़ी देश, समाज और परिवार की सबसे बड़ी ताकत और भावी धरोहर होती है। उसके सहारे देश के भविष्य की रूप रेखा बनाई जा सकती है और अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारे कल का भविष्य कैसा होगा ? कटु सत्य यह है कि युवाशक्ति के बेहतर प्रबंधन से ही सही राष्ट्र–निर्माण मुमकिन है।

आंखों में अरमान, नयी उड़ान भरता हुआ मन, हिलोरे लेता दिलोदिमाग, कुछ कर गुजरने का दमखम और दुनिया को अपनी मुट्ठी में करने वाले इरादे को ही युवा कहा जाता है। युवा ऐसा शब्द है जिसे सुनते ही तन–मन–मस्तिष्क ओज–तेज से भरने लगता है। उम्र के इसी पड़ाव में बाकी जिन्दगी का भविष्य तय होता है। कोई भी आंदोलन और दुनिया की कोई भी विचारधारा युवाशक्ति के समर्थन के बिना सफल नहीं हो सकती। यह युवाशक्ति ही है जिसके दम पर किसी निर्माण या विध्वंस की नींव और इमारत पुष्पित–पल्लवित होती है।

किसी भी देश या समाज के संस्कार और चरित्र के बारे में पता करना हो तो उसका सबसे बड़ा जरिया युवा–पीढ़ी का आचरण है। युवाओं का मन बहुत चंचल होता है। इसे गलत रास्ते पर ले जाना हो तो कुछ नहीं करना होता। इसके लिए जरूरी है कि पूरे दिन क्या गलत और क्या सही किया, इस पर विचारने की आदत हमारी युवा पीढ़ी को डालनी चाहिए। अर्जुन की तरह दृष्टि मछली पर नहीं, बल्कि उसकी आंख पर होनी चाहिए। हमारे ऋषि–मुनियों द्वारा वर्णित अध्यात्म के बेहतरीन तरीकों का फायदा जिंदगी को सही तरीके से समझने के लिए भी लिया जा सकता है। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि असली सुंदरता केवल बाहरी पहनावे में नहीं है बल्कि अच्छे व्यवहार और अच्छे विचारों में बसती है।

कुदरत की विचित्र देन है कि असंभव को संभव में बदलने वाली युवा शक्ति की तादाद भारत में सबसे ज्यादा है। देश में लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष आयु के युवकों की और 25 साल उम्र के नौजवानों की संख्या 50 प्रतिशत से भी अधिक है। तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में इस युवा–ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि थोड़ा–सा भी भटकाव उन्नति की राह को अवनति में बदल सकता है। युवाओं के बारे में प्रायः यह मान्यता है कि जो झुकना नहीं जानता, टूटना जानता है, समझना नहीं, समझाना चाहता है, जो बदलना चाहता है, जिन्दगी को नयी दिशाओं में ले जाना चाहता है, जो जिंदगी में परिवर्तन करना चाहता है। इतिहास में झांकते हैं तो मालूम होता है कि देश की आजादी के लिए मर–मिटने वाले सबसे ज्यादा युवा ही थे। युवा क्रांति की जीती–जागती मशाल है और जो देश और समाज के लिए मिसाल और मशाल दोनों बनते हैं। कचोटते सवाल यह भी है कि क्रांति की वह धधकती लौ आखिर कहां जल रही है और देश के नव निर्माण में उसकी भावी भूमिका के दृष्टिगत उसकी ऊर्जा का सही इस्तेमाल हो रहा है या नहीं?

खेद है कि तेजी से बदलते परिवर्तन चक्र में युवकों में व्यापक व्यक्तित्व विकास की भावना छूट–सी गयी है। उथल–पुथल के काल में उसका लक्ष्य उपाधि या परिणाम हासिल करने तक सिमटा है। दूसरी तरफ दिक्कत तो यह भी आ रही है कि समाज शिक्षक को आज भी अन्य वर्गों की तुलना में जिस सम्मान से देखता है और उनसे यह अपेक्षा करता है कि युवाओं को मांजने का काम करें, लेकिन वह कुछ विफल हो रहा है जिससे उनके प्रति श्रद्धा भी कमजोर पड़ रही है।

युवावर्ग यह नहीं समझ पाता कि वह क्या पढ़े, किसे पढ़े और कैसे पढ़े, हमारी महान संस्कृति से उदासीनता बरतने के कारण वह आज सज्जन, वीर, महात्मा या महापुरूष को अपना आदर्श न मानने के स्थान पर टी.वी. और सिनेमा के पर्दे पर वह अपने मन मुताबिक संस्कार के बजाए विकार खोजता है। देखने में आ रहा है कि पश्चिम की कुरीतियों का जाल तेजी से फैल रहा है जिससे वैलेंटाइन डे मनाकर देश की संस्कृति को भूलने का अहसास हो रहा है। हालांकि यह कल्पना–सी लगती है पर वक्त का तकाजा है कि ऐसे उपाय करें जिनसे हमारी संतानों में भारतीय मूल्यों की परंपरा और विरासत सहेजी जा सके। इसकी जगह वे यदि मातृ–पितृ पूजन, संत महात्मा दिवस, संस्कृति दिवस मनाने के लिए प्रेरित होंगे तो विश्व का मंगल हो जाएगा।

यह सही है कि युवाओं को सपने देखने की आदत होती है। जब वे टूट जाते हैं तो वे समाज में फैले अपराध खासकर साइबर अपराध, हिंसा, व्यभिचार, साजिश, भ्रष्टाचार में जाने अनजाने काफी युवा लिप्त होते जा रहे हैं। इसके अलावा

शराब, सिगरेट व खतरनाक तरह के नशे के गुलाम बन जाते हैं। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति ने हत्या और बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों का जन्म दिया है। आज किशोर 14–15 वर्ष की आयु में ही ड्रग्स और डिस्को का आदी हो रहा है।

युवाओं की जिंदगी यांत्रिक हो रही है। आधुनिक समाज में भौतिकवादी यानि मैटेरियलस्टिक होने की होड़–सी लगी हुई है। उसी दौड़ में कहीं न कहीं युवा भी फंसता जा रहा है। पश्चिमी पहनावे और संस्कृति को अपनाने में उसे कोई हिचक नहीं है। इसका मुख्य कारण है कि उनकी परवरिश, परिवेश और शिक्षा। अमूमन बच्चा कमाऊ शिक्षा लेकर बाहर निकलता है पर ज्ञान की पूंजी उनके पास नहीं होती हालांकि वे गलतफहमीं में खुद को ज्ञानी से कम नहीं समझते, लिहाजा धनार्जन उनके जीवन का लक्ष्य बनकर खड़ा हो जाता है।

परिवारों की ध्वस्त होती अवधारणा, फ्लैट्स में सिकुड़ते–घुमड़ते परिवार, प्यार को तरसते बच्चे, अपनों की बजाय दूसरों के सहारे अंगड़ाई लेती नई पीढ़ी हमें क्या संदेश दे रही है। क्या उसकी गूंज सुनने की जरूरत नहीं है? इस जमाने ने अपनी नई पीढ़ी को अकेला होते और बुजुर्गों को अकेला करते भी देखा है। बदलते समय ने लोगों को ऐसी खोखली प्रतिष्ठा में इतना डूबो दिया है कि सामाजिक वर्जनाएं हमारे समक्ष चुनौती बन रही हैं।

इक्कीसवीं सदी की युवाशक्ति की सोच में बीती सदियों के मुकाबले द्वंद है कि वह बहुत कम समय में अधिक पाना चाहती है और इसके लिए मेहनत की बजाय किसी भी मूल्य का बलिदान करना पड़े तो उसे कोई हिचक नहीं है। जमाने की रंगत ने हमें ऐसी युवा पीढ़ी के दर्शन कराएं हैं जो पैसे को भगवान और सब समस्याओं का समाधान मान बैठी है, जिसे हासिल करने के लिए मेहनत और दूरदृष्टि के बजाए अल्पकालिक रास्ता (शार्टकट) अपना लेते हैं।

समाज में फैली कुरीतियों का अंबार देखकर द्रवित हुए बिना नहीं रहा जाता। क्या यह फर्ज नहीं है कि समाज के बुद्धिजीवी वर्ग एवं युवाओं को ऐसे झकझोरते मुद्दों का सही विकल्प और सोच तलाशना चाहिए ? भविष्य की पौध को युवा के रूप में परिवर्तित करने के लिए शिक्षा बहुत बड़ा माध्यम है। शिक्षा का मूलाधार है– अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर, बंधनों से मुक्ति की ओर ले जाए, वही सच्ची शिक्षा है। आज के माहौल में नैतिक एवं परम्परागत मूल्यों में आई तेजी से गिरावट :– व्यक्तिगत, सामाजिक, पारिवारिक, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समस्याओं का मूल कारण है।

मोटे तौर पर हमारे धर्म, चरित्र की ताकत और उसकी शुद्धता पर सबसे ज्यादा जोर देते हैं। शिक्षा के सही बीज से जीवन फलदार वृक्ष बन जाता है। दुख की बात है कि आज शिक्षा में संस्कार ओझल है, ज्ञान व मेहनत की उपेक्षा हो रही है, पैसे को तरजीह मिलने से खतरा और बढ़ा है। हमें नहीं भूलना चाहिए आज के युवा, कल के भावी समाज का चमचमाता आइना है। अगर हम कल के समाज की बेहतरी चाहते हैं तो वर्तमान के युवओं को संस्कारित करने की जरूरत है। व्यक्ति अच्छा या बुरा, उसके अंदर के गुणों से बनता है चरित्रवान युवा देश, समाज व कुल की संपत्ति है। आज की शिक्षा ने नई पीढ़ी को संस्कार की समझ नहीं दी है।

नैतिक मूल्य किसी धर्म, वर्ग, पंथ व सम्प्रदाय के लिए नहीं होते। शिक्षा से ही समाज एवं संस्कृति को बचाया जा सकता है। शिक्षा से अच्छी पीढ़ी का निर्माण हो, अच्छा समाज बने, यह केवल इच्छा से पूर्ण नहीं होता। इसी मंत्र से हम जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं। सबसे पहले तो हमें यह याद रखना चाहिए कि जिस तरह से स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी गई, जो बलिदान दिए गए, जो जानें गईं–ये सब हमें पिछली पीढ़ी द्वारा किए गए त्याग और बलिदान की भेंट है। आज हमारी पीढ़ी पर यह जिम्मेदारी है कि हम अपने जिए जैसा जीवन चाहते हैं, वेसे राष्ट्र का निर्माण करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए जैसा भविष्य चाहते हैं, वैसा भविष्य बनाएं।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि आज हमारी जो स्थिति बनती जा रही है, उसका कारण क्या यह तो नहीं कि हम धर्म के पथ से विचलित हो गए। त्याग के लिए मर्यादा पुरूषोत्तम राम, अहिंसा के लिए महावीर स्वामी, पाखंड के विरूद्ध कबीर और स्वामी दयानंद, भक्ति के लिए तुलसीदास और मीरा, महात्मा बुद्ध की अमर वाणी, श्री कृष्ण का **''कर्मण्येवाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचन''** का मूलमंत्र कभी और किसी भी युग में भुलाया नहीं जा सकता। विकास के पथ पर दौड़ती नई पीढ़ी ताकत से अधिक पाने के लालच में जिंदगी की खुशी नहीं समेट पा रही है। युवाओं को एहसास होना चाहिए कि भारत की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, आर्थिक हो या फिर राजनैतिक। युवा राष्ट्र के असली और मौलिक शिल्पी हैं। अगर वे जीने का नजरिया बदलेंगे तो नजर व नजारे खुद बदल जाएंगे।

युवकों से बस इतना आह्वान है :

चाहे आंधी आए या तूफान लक्ष्य बनाए रखना
उम्मीदों के दीप तुम दिल में जलाए रखना।
सुख–दुख व संघर्ष का चाहे जीवन में हो सामना
पर तुम सही मार्ग पर अपने कदम बढ़ाए रखना।

।।शुभम।।

विश्व में हिंदी की पहचान



रमेश कुमार पाण्डेय
निरीक्षक/हिंदी अनुवादक
राजभाषा अनुभाग, महानिदेशालय

जहां भारत अपनी सांस्कृतिक विविधताओं के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है, वहीं राजभाषा हिंदी भी अपने देश को एक सूत्र में पिरोते हुए विश्व में अपनी अलग पहचान बना रही है। सूचना क्रांति का उदारीकरण ने सारे विश्व को समेटकर एक वैश्विक गांव में तब्दील कर दी है और इस परिदृश्य में अपनी संस्कृति, भाषा, मान्यताओं, विविधताओं व संस्कारों को बचाकर रखने की चुनौती हमारे समक्ष खड़ी है। निश्चिततः इनको बचाने के लिए हमें अपनी भाषा की तरफ उन्मुख होना पड़ेगा। यदि भारतीय फिल्में विदेशों में अच्छा व्यवसाय कर रही हैं तो विदेशों में बसे भारतीयों का इसमें प्रमुख योगदान है। एक वर्ग ऐसा है जो रोजगार की खोज में विदेशों में भले जा बसा हो, पर उनको अपनी मातृभूमि से लगाव जस का तस है। उनकी रोजी–रोटी की भाषा भले ही दूसरी हो, पर उनका मन हिंदी में ही रमता और बसता है।

आपको यह जानकर भले ही आश्चर्य लगे, परन्तु यह सत्य है कि अमेरीकी राष्ट्रपति जार्ज बुश ने अपने शासन काल के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा भाषा कार्यक्रम के तहत अपने देशवासियों से हिंदी भाषा सीखने के लिए कहा था। अमेरिका जो कि अपनी भाषा और पहचान के अलावा किसी को श्रेष्ठ नहीं मानता, पर हिंदी सीखने में उसकी रूचि का प्रदर्शन निश्चित ही भारत के लिए गौरव की बात है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पष्टतया घोषणा की कि 'हिंदी' ऐसी विदेशी भाषा है, जिसे 21वीं सदी में राष्ट्रीय सुरक्षा और समृद्धि के लिए अमेरिका के नागरिकों को सीखना चाहिए।

इसी क्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक हुसैन ओबामा ने अपने चुनावी घोषण–पत्र की प्रतियां, अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी में भी छपवाकर वितरित की थी। ओबामा के राष्ट्रपति बनने के बाद सरकार की कार्यकारी शाखा में राजनैतिक पदों को भरने के लिए जो आवेदन–पत्र तैयार किया गया उसमें 101 भाषाओं में भारत की 20 क्षेत्रीय भाषाओं को भी जगह दी गई थी। ओबामा ने रमजान की मुबारकवाद हिंदी में भी दी थी।

यही नही, अंतर्राष्ट्रीय इंदु शर्मा कथा सम्मान हिंदी का अकेला ऐसा सम्मान है जो किसी देश की संसद, अर्थात ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में प्रदान किया जाता है। आज अंग्रेजी के दबदबे वाले ब्रिटेन से हिंदी लेखकों का सबसे बड़ा दल विश्व हिंदी सम्मेलन में अपने खर्च पर पहुंचता है। स्पष्ट है कि हिंदी आज दूसरे देशों में भी अपनी सफलता की कीर्ति–पताका फहरा रही है। विदेश मंत्रालय ने इसी रणनीति के तहत प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को **'विश्व हिंदी दिवस'** मनाने का निर्णय लिया है, जिसमें विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में इस दिन हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है।

भूमंडलीकरण के दौर में निश्चित ही दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र, सर्वाधिक जनसंख्या वाले राष्ट्र और सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार की भाषा हिंदी को नजर अंदाज करना अब संभव नहीं रहा। प्रतिष्ठित अंग्रेजी प्रकाशन समूहों ने हिंदी में अपने प्रकाशन आरंभ कर दिए हैं तो बी.बी.सी., स्टार प्लस, सोनी, जी.टी.वी., डिस्कवरी आदि चैनलों ने भी हिंदी में अपने प्रसारण को आरम्भ किए हैं। हिंदी फिल्म संगीत तथा विज्ञापनों की ओर नजर डालने पर एक नई प्रकार की हिंदी का दर्शन होता है। निश्चित ही मनोरंजन और समाचार उद्योग पर हिंदी की मजबूत पकड़ ने इस भाषा में सम्प्रेषणीयता की नई शक्ति पैदा की है।

आज की हिंदी वो नहीं रही, बदलती परिस्थितियों ने इसमें परिवर्तन किया है। सूचना क्रांति के दौर में कम्प्यूटर पर हिंदी में कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिष्ठान सीडेक ने निःशुल्क हिंदी साफ्टवेयर जारी किया है, जिसमें अनेक सुविधाएं उपलब्ध है। माइक्रोसाफ्ट ने ऑफिस हिंदी के द्वारा भारतीयों के लिए कंम्प्यूटर का प्रयोग आसान कर दिया है। इंटरनेट पर हिंदी का विकास तेजी से हो रहा है। गूगल से हिंदी में जानकारियां धड़ल्ले से खोजी जा रही है। पहले जहां तमाम फॉन्ट के चलते हिंदी का स्वरूप एक जैसा नहीं दिखता था, वहीं वर्ष 2003 में यूनीकोड हिंदी में आने के बाद हिंदी को अपने विस्तार में काफी सुलभता हासिल हुई है। परिणाम यह हुआ कि 14 सितंबर, 2011 से सोशल नेटवर्किंग वेबसाईट ट्विटर ने हिंदी में भी सीधे लिखने की सुविधा उपलब्ध कर दी है।

निश्चिततः इससे हिंदी भाषा को वैश्विक स्तर पर एक नवीन प्रतिष्ठा मिली है। यह अनायास ही नहीं हुआ है कि 49 करोड़ लोगों तक पहुंच के साथ हिंदी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी संपर्क भाषा बनी है। हालांकि कभी ब्रिटेन ने हम पर राज किया था, पर जब वहीं के एक प्रोफेसर रूपर्ट स्नेह हिंदी के पक्ष में बोलते हैं, तो गर्व होना लाजिमी भी है–क्योंकि हिंदी जिंदगी का हिस्सा है और हिंदी जिंदा है। हिंदी किसी एक वर्ग या जाति, धर्म या मजहब, देश या संस्कृति की नहीं रह गई है। हिंदी भारत, मॉरीशस, इंग्लैण्ड की ही नहीं, अपितु यह सारी दुनियां की भाषा बन चुकी है। अब **'हिंदी आपकी है, हिंदी मेरी भी है'**।

हिन्दी दिवस



के. सुन्दरेसन
निरीक्षक/हिंदी अनुवादक
राजभाषा अनुभाग, महानिदेशालय



लगभग 300 वर्ष पूर्व दुनिया भार में घूमते–घूमते एक दिन अंग्रेजी, हिन्दी के घर आई। शुरू–शुरू में अच्छा लगा कि एक नया मेहमान आया है। हिन्दी ने उसकी खूब मेहमान–नवाजी और सेवा की लेकिन सेवा करते–करते हिन्दी को पता ही नहीं चला कि वह अपने घर में वह कब दासी हो गयी क्योंकि वह मेहमान अब घर के हर कोने पर अपना अधिकार जमा चुकी थी। अब बेचारी हिन्दी दासी की तरह रहने को मजबूर हो गई। विशेष अवसरों को मनाने के लिए हर साल कोई न कोई दिन, क्या कहें 'डे' निर्धारित किया गया जैसे मदर्स डे, टीचर्स डे, वैलन्टाईन डे इत्यादि–इत्यादि। उसी तरह हमारे लिए बड़ी खुशी की बात है कि हिन्दी को खुश रखने के लिए हिन्दी डे अर्थात ''हिन्दी दिवस'' को भी घोषित किया है। अब हिन्दी केवल मात्र इस दिन को ही खुली आजादी में अपने पंख फड़फड़ाती है और शायद यह कहने की कोशिश करती है किः–

''हर सुबह को कोई दोपहर चाहिए,
''मैं परिंदा हूँ उड़ने को पर चाहिए।

हालांकि हिंदुस्तान में ''हिन्दी दिवस'' सुनने में बड़ा अजीब सा लगता है क्योंकि पूरी दुनिया को पता है कि हिंदुस्तान की प्रमुख भाषा हिन्दी है यानि ''हिन्दी हैं हम वतन है हिंदोस्तां हमारा।''

फिर अचानक एक दिन पूरे विश्व में भूमण्डलीकरण का दौर आया और पूरा विश्व भागने लगा बाजार की ओर। हम भारतीयों का बाजार कितना बड़ा है ये तो सबको पता ही है। फिर क्या अंग्रेजीदां भी समझ गए कि अब तो हिन्दी को भी साथ लेकर चलना ही पड़ेगा नही तो हम बाजार में कैसे ठहर पाएंगे। फिर आया क्रिएटिव हिन्दी का दौर। इससे भी हिन्दी का महत्व बढ़ा। दूसरी ओर अगर मैं कहूं तो हिन्दी को बढ़ाने में भारतीय सिनेमा का योगदान बहुत है। यह अलग बात है कि सिनेमा के अधिकतर अभिनेता एवं अभिनेत्रियां अपना इंटरव्यु अंग्रेजी में ही देते हैं। इससे तो यही लगता है, ये कलाकार ऐसे अंग्रेजी स्कूलों में पढ़े हुए हैं, जहां हिन्दी बोलने पर सजा दी जाती है, फिर भी कुछ भी हालात हों हिन्दी तो बढ़ ही रही है। वैसे भी भारत बहुभाषी देश है। जहां अनेकों भाषाएं हैं और यह सभी भाषाएं हिन्दी की बहनें हैं। इस तरह मैं यदि हिन्दी को ''माँ'' समान मानूं तो दूसरी भारतीय भाषाएं भी हमारी माँ–सी अर्थात ''मौसी'' हुईं। इस संदर्भ में एक शायर की याद आ रही दो पंक्तियों के साथ अपने लेखनी पर विराम देता हूँः–

''लिपट जाता हूँ माँ से और मौसी मुस्कुराती है,
मैं उर्दू में गजल कहता हूँ तो हिन्दी मुस्कुराती है।''

जय हिंद।



आशा का उजाला



कृष्णा कुमार सिंह
उप निरीक्षक (मंत्रा.) महानिदेशालय



हमारा हर कर्म और सोच हमें नया आयाम दे, नया वेग दे और नया क्षितिज दे, तभी जीवन में बदलाव का ऐसा प्राणवान और जीवंत पल हमारे हाथ में होगा, जिसे हम एक दिव्य, भव्य और नव्य महाशक्ति का अहसास कर सकेंगे। हम इसका उपयोग किस रूप में करते हैं, यह हम पर ही निर्भर करता है। शक्ति का व्यय तीन प्रकार से किया जा सकता है – उपयोग, सदुपयोग और दुरुपयोग। देखना यह है कि हमारी स्वतः स्फुर्त प्रेरणा हमें किस तरफ ले जा रही है?



उपयोगी जीवन जीने वालों ने सदा अपने वर्तमान को आनंदमय बनाया है। शक्ति का सदुपयोग करने वालों ने वर्तमान को दमदार और भविष्य को शानदार बनाया है। मगर अफसोस इस बात की है कि शक्ति और समय का दुरुपयोग करने वाला न तो वर्तमान में सुख से जी सकता है और न ही अपने भविष्य को चमकदार बना सकता है। हमें बड़ा करना है, बड़ा सोचना है। इसलिए एक महान शख्सियत डिजरायली ने एक बार कहा था – ''जीवन बहुत छोटा है और हमें संतोषी नहीं होना चाहिए''।

जिन्दगी एक पन्ने की तरह है, जिसके कुछ अक्षर फूलों से लिखे गए हैं, कुछ अक्षर अंगारों से लिखे गए हैं, क्योंकि जीवन में कहीं सुख की घास है तो कहीं रजनीगंधा के फूल हैं, कहीं रेगिस्तान है तो कहीं सागर है, कहीं मनमोहक घाटियां है तो कहीं सुंदर वन हैं, एक जैसा जीवन किसी का नहीं है। जीवन कितना लंबा है, यह भी महत्वपूर्ण नहीं है। बल्कि कितना सार्थक एवं पवित्र जीवन जीया गया यह महत्वपूर्ण है। जब तक जीवित रहें जिंदादिली के साथ जिएं। ज्योतिर्मय अंगारे की तरह जिएं न कि निस्तेज राख की तरह, क्योंकि दुनिया में शक्तिशाली की पूजा होती है, शक्तिहीन को कोई नहीं पूछता।

ऐसे में शक्तिमान और संस्कार संपन्न बनने के लिए लक्ष्य का निर्धारण हो। दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ लक्ष्य की दिशा में गतिमान हो। अदम्य विश्वास हो तो हर मंजिल कदमों में होती है। भागमभाग की जिंदगी जीने वालों को धन सुविधा दे सकता है, पर सुख नहीं दे सकता। धन सम्मान दिला सकता है, पद दिला सकता है, परंतु आत्मप्रतिष्ठा नहीं, इसलिए वक्त का तकाजा है, जीने का अंदाज बदलें, दृष्टि बदलें, भाव बदलें, विचार बदलें। जीवन–निर्माण की शुरूआत विचारों से होती है।



एकता



सुशील कुमार सिंह
उप निरीक्षक (मंत्रा.) प्रशासन महानिदेशालय



मानव धर्म समस्त के साथ धड़कने का, एक होने का गीत गाता है। परमपिता परमेश्वर ने जब सृष्टि की रचना की तो उसने धरती पर कहीं भी सीमाएं नहीं बनाईं, परंतु मनुष्य ने कागज के नक्शे बनाकर समस्त मानव जाति को भिन्न–भिन्न सीमाओं और संप्रदायों में बांट रखा है। आज आवश्यकता है तो यह जानने और समझने की कि मानव धर्म के महासागर में कहीं भी गोता लगाओ, उसका स्वाद एक जैसा होगा। मानव जीवन में हम भूल गए कि हम सब एक ही धागे से बंधे हुए हैं। यह धागा है – केवल इंसानियत का और प्रेम का। बहती हुई नदियां, लहराती पवन और हमारी यह पावन धरा–सब कुछ ईश्वर की अनमोल देन है। आज आवश्यकता है तो पुजारी बनने की, उस मानवता के प्रति जो आज हमारे बीच धड़कन बनकर धड़क रही है।

हमारे देश की परंपरा ने हमेशा ही सद्भावना और प्रेममय वातावरण का निर्माण किया है। आज भी भारत महान है, क्योंकि इसकी संस्कृति और सभ्यता सदियों से शांति और प्रेम की पोषक रही है। शांति और प्रेम के पुजारी हमारे राष्ट्र ने हमेशा ही ऐसे बीज बोए हैं, जिनसे प्रेम के फूल मुस्कुराते रहे हैं। हमें यह भी जानना चाहिए कि प्रेम और आनंद ही हमारी अनुभूतियों का संसार है। इसी से हमने समस्त विश्व को आलोकित किया है। परमपिता परमेश्वर ने जब सृष्टि की रचना की थी तो मनुष्य को हर प्रकार की आध्यात्मिक और भौतिक संपदा से संपन्न किया। सांसारिक संपदाओं में मनुष्य इतना उलझ गया है कि उसने मानवीय संवेदनाओं पर प्रहार करना शुरू कर दिया।

जरा सोचिए! क्या उस परमपिता ने हमें यही शिक्षा दी है? क्या जीवन जीने का यही तरीका है? क्या सिर्फ शक्तिशाली को जिंदा रहना होगा और कमजोर को मरना होगा? अच्छा तो तब होगा, जब हम सभी द्वेश, दुराव और मतभेद को मिटाकर नए युग में नई चेतना के सूत्रपात का संकल्प लें। जहां कोई लड़ाई न हो, अगर हो तो मात्र प्रेम, सौहार्द, एकता और भाईचारा। उस परमपिता का यही संदेश है। एकता की शक्ति अनंत है। एक बार मन में ममत्व का नहीं, बल्कि समत्व का भाव लाएं तो आपको यह महसूस होगा कि यह दुनिया एकता के सूत्र में पिरोई हुई है। अगर आप ज्ञानचक्षु से देखना चाहें तो जमीन से लेकर आसमान तक एकता के तत्व बिखरे हुए हैं।



हिंदी बोलना हमारी 'ड्यूटी' है



एस0एन0 सुमन,
निरीक्षक (हिंदी अनुवादक)
राजभाषा अनुभाग, महानिदेशालय

आजकल के युवक–युवतियों के अगाध अंग्रेजी प्रेम से क्षुब्ध,
एक हिंदी प्रेमी सज्जन की हिंदी देखकर मैं हो गया मुग्ध।
जब उन्होंने अपने हाथों को हवा में लहराया,
और फिर अपनी जोरदार वाणी में फरमाया।

'लेडिज एण्ड जेंटलमेन'
'इंडिया' हमारी 'कन्ट्री' है
और हम 'इंडिया' के 'सिटीजन' हैं ।
हिंदी बोलना हमारी 'ड्यूटी' है,

पर बेचारी हिंदी की किस्मत ही फूटी है।
आजकल की 'यंग जनरेशन'
'व्हेनएवर माउथ' खोलती है,
'ओनली एण्ड ओनली इंग्लिश' ही बोलती है।

'परसन' की 'एबिलिटी' को
इंग्लिश से तौलती है,
तब हमारा सिर शर्म से झुक जाता है
'एण्ड हर्ट डीप' वेदना से भर जाता है।

'इन रियली' ये सब 'वेरी रौंग' है
दिखावा है, ढोंग है।
हमें अपनी 'डेली लाइफ' में
हिंदी लैंग्वेज को लाना है
'वर्ल्ड वाइड' फैलाना है।
भारत माता के 'ड्रिम्स' होंगे सच,
थैंक यू वेरी मच।।

आओ हिंदी को अपनाएं



निरीक्षक (हिंदी अनुवादक) कमलेश कुमार
आंतरिक सुरक्षा अकादमी,
केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, माउंट आबू (राजस्थान)

समुचित पद पर करे प्रतिष्ठित, खोया जो सम्मान दिलाए।।
हिचक तोड़ कर, झिझक तोड़ कर,
अंग्रेजी का मोह तोड़ कर,
बिना देर के सरल–सरल से, सुंदर–सुंदर शब्द जोड़ कर,
छोटे–छोटे वाक्य बनाएं, आओ हिंदी को अपनाएं।।

बोल–चाल में, काम–काज में, कार्यालय की दिनचर्या में,
चिट्ठी–पत्री पत्रोत्तर में, टिप्पणी अथवा आदेशों में,
बेतारों पर अभियुक्ति में, हर पत्र के अद्याक्षर में,
हिंदी को सम्मान दिलाएं, आओ हिंदी को अपनाएं।।

प्रेमपत्र में, प्रीत–गीत में, प्रेम प्रकट की सभी रीत में,
व्हाट्सएप या ईमेल में, फेसबुक या ट्वीटर में,
हर घड़ी हर पल में, मस्तिक की हर कल्पना में,
अपने मातृभाषा का मान बढ़ाएं, आओ हिंदी को अपनाएं।।

बच्चों के लालन–पालन में, शिक्षण और संस्कार में,
लाड–प्यार में, डांट–डपट में, कथा–कहानी समझाने में,
घर की हर छोटी–मोटी बातों में,
समाज में चर्चा, विचार–विमर्श में
अपनी संस्कृति की मीठी घोल पिलाएं,
आओ हिंदी को अपनाएं।।

आओ जगाएं हर जन–गण को, सक्रिय करें अब हर मन को
मातृभूमि की इस धरोहर को, देवभूमि की इस विरासत को,
विश्व भर में यह चेतना जगाएं,
राजभाषा का हम परचम लहराएं,
सबको यह संकल्प कराएं, आओ हिंदी को अपनाएं।।

हिंदी पखवाड़ा



सू0मे0/हिं0अनु0
सुजीत कुमार सिंह
ग्रुप केन्द्र, केरिपुबल, मोकामाघाट

आया फिर हिंदी पखवाड़ा,
हिंदी की याद दिलाने को,
जमा हो गए हम सब सारे,
हिंदी के महत्व बताने को।

हम सब सारे सोंच रहे हैं,
विधिवत इसे मनाने को,
शपथ सभी हम लेते रहते,
राष्ट्रभाषा का मान बढ़ाने को।

एहसास दिलाते हैं, हम सबको,
कितना है यह, कार्य कठिन।
हिंदी में कैसे कर पाएंगें,
सभी कार्य हम पंद्रह दिन।

भारी बोझ लिए सिर पर हम,
जश्न मनाते हिंदी का।
राजभाषा की बात अनसुनी कर,
दोष लगाते हिंदी का।

गुण बहुत है इस भाषा की,
आत्मसात यह सबको करता।
क्या क्षेत्रीय, क्या आंगल भाषा
मिश्रित है सबको करता।

कार्य आसान, पर लगन जरूरी,
है हिंदी में, ज्ञान बढ़ाने को,
हरदम यह तत्पर रहती है,
हर भाषायी, शब्द अपनाने को।

शब्दों का भण्डार भरा है,
देता यह तीनों में साथ।
दिल की बात सहजता से
हम कर सकते इसके साथ।

आजादी



सिपाही/जीडी
नारायण सिंह मेरावी
123 बटालियन,

कस ली है कमर अब तो, कुछ करके दिखाएंगे,
आजादी ही लेंगे, या सर कटा देंगें।

हटेंगे नहीं पीछे, डरकर कभी जुल्मों से
तुम हाथ उठाओगे, हम पैर बढ़ा देंगे।

निःशस्त्र नहीं हैं हम, बल है हमसे भारत माता का
भारत मां से हैं हम, आपकी लंका ढ़ाह देंगें।

है जान हथेली पर, एक दम में गंवा देंगें।
चलाओ मशीनगन, हम सीना अड़ा देंगें।

कस ली है कमर अब तो, कुछ करके दिखाएंगे,

अन्तः रक्षक



धर्मेन्द्र सिंह यादव (उ.नि./मंत्रा.)
ग्रुप केन्द्र, के0रि0पु0बल, नोएडा

सेवा और निष्ठा से अपनी, जो भारत की शान बढाता है
देश का अन्तः रक्षक है वो, सी.आर.पी.एफ. कहलाता है।।

जिसके लाखो बलिदानों से, तिरंगा आज लहराता है
भारत माता के वचनों पर, अपना शीश झुकाता है
वक्त पड़े तो सीमा पर भी, जो अपनी सांस लुटाता है
देश का अन्तः रक्षक है वो, सी.आर.पी.एफ. कहलाता है।।

अपने लक्ष्य से कभी न भटके, दुश्मन भी थर–थर हैं कांपते,
जिसने चीनीयों को ललकारा, पाकिस्तानी ब्रिगेड को पछाड़ा,
अयोध्या में आतंकी संहारे, कश्मीरी सौहार्द उजारे,
जब संकट आया संसद पर, कमलेश कुमारी बन जाता है
देश का अन्तः रक्षक है वो, सी.आर.पी.एफ. कहलाता है।।

जनसंख्या सीमित जो रखते, वे देश बने उजियारे हैं,
मरे भी दो प्यारे हैं, सूरज–चॉद से न्यारे है।
एक को आर.ए.एफ. हैं सब कहते, कोबरा एक पुकारे हैं,
सद्भावना एक है फैलाता, एक नक्सलवाद मिटाता है
देश का अन्तः रक्षक है वो, सी.आर.पी.एफ. कहलाता है।।

सीने पर तमगे ऐसे चमके, सूरज भी शर्माता है
सब तो थामें एक तिरंगा, वो दो का ताज सजाता है
जब भारत माता ले कुर्बानी, ये तिरंगा गले लगाता है
क्यो न पूजें सभी उसको, जो इतना सम्मान दिलाता है
देश का अन्तः रक्षक है वो, सी.आर.पी.एफ. कहलाता है।।

सेवा और निष्ठा से अपनी, जो भारत की शान बढाता है
देश का अन्तः रक्षक है वो, सी.आर.पी.एफ. कहलाता है।।

मातृभाषा के प्रति धर्म



हवलदार(जी.डी.) विक्रान्त कुमार
जन सम्पर्क, महानिदेशालय

भूल गए हैं अपना धर्म,
अपनी मातृभाषा के प्रति अपना कर्म
हिंदी बोलने में आती शर्म,
फिर कैसे कहें हिंदी हैं हम।

गौरवमयी इतिहास हमारा,
होना चाहिए देश प्राणों से प्यारा।
खाई शहीदों ने सीने पर गोली,
फिर भी है सिक्कड़ों में अपनी बोली।
अंग्रेजी के गुलाम बने हुए हैं हम।

अंग्रेजी बनी प्रतिभा की पहचान,
हिंदी का नहीं कहीं रह गया मान।
देख कर गरिमा इसकी खोती,
भारतमाता नित्य है रोती।
सूर तुलसी को अब नहीं पहचानते हम,
फिर कैसे कहें हिंदी हैं हम।

अब न हो मातृभाषा का अपमान,
लौटाना है इसका खोया सम्मान।
मानसिकता होगी अंग्रेज बेड़ियों से आजाद,
भारतेन्दु, प्रेमचंद भी होंगे जब सबको याद।
हिंदी जब सिंहासन की ओर बढ़ाएगी कदम,
फिर कह पाएंगे कि हिंदी हैं हम।

नारी तू अपनी शक्ति को पहचान



श्रीमती भारती यादव
पत्नी उप निरी./जीडी प्रमेन्दर

क्यों भुला रही तू अपनी शक्ति,
नारी तू अपनी शक्ति को पहचान।
पूरी जिम्मेवारी निभा रही,
फिर भी बनी रहती अंजान
नारी तू अपनी शक्ति को पहचान।।

घर का पूरा रखती ध्यान
फिर भी नहीं बन पाती पहचान
घर का पूरा संचालन करती
हमेशा बनी रहती अंजान
चार दिवारी के अंदर रहती
बाहर से बनी रहती अंजान
नारी तू अपनी शक्ति को पहचान।।

क्यों हिन समझें अपने आप को
क्यों बन रही गुमनाम
तु घर की नींव है
तु है अपने घर की शान
नारी तू अपनी शक्ति को पहचान।।

अनुशासन



उज्जवल राठी
सुपुत्र निरी./जीडी नीतू राठी

चल–चलकर चींटी ना थकती,
करती अनुशासन की भक्ति।
खुद से ज्यादा बोझ उठाकर,
आसमान को लक्ष्य बनाकर।

हर पल आगे बढ़ती जाती,
कर्मभाव हमको सिखलाती।
गजब दृढ़ आदर्श हैं उसके,
साथी कभी मार्ग ना भटके।

दृढ़ निश्चय कर वह बलखाती,
प्रेमभाव से पंक्ति बनाती।
हर पल आगे बढ़ाती जाती,
कर्मभाव हमको सिखलाती

लिखे निरंतर ऐसी गाथा,
ठोंक रहा था भूपति माथा।
सदा पराजय उसके हाथ,
मिला उसे चींटी का साथ।

दृढ़ निश्चय कर कदम बढ़ाया,
विजय स्वयं उसके कर आया।
यही मंत्र वह हमें बताती,
लक्ष्य निरंतर उसको भाती।
हर पल आगे बढ़ाती जाती,
कर्मभाव हमको सिखलाती।

महानिदेशक, के.रि.पु.बल का पूर्वोत्तर सेक्टर, के.रि.पु.बल का दौरा

दिनांक 05/05/2019 से 07/05/2019 तक श्री आर. आर. भटनागर, भा.पु.से., महानिदेशक, के.रि.पु.बल साथ में डॉ. (श्रीमती) मनु भटनागर अध्यक्ष, कावा ने मेघालय एवं आसाम का दौरा किया। उन्होने गुवाहाटी एवं शिलांग स्थित फील्ड यूनिटों का भ्रमण किया तथा टुकड़ी के जवानों के साथ खुलकर बातचीत की। महानिदेशक ने शिलॉग में 67 बटालियन के.रि.पु.बल का भ्रमण किया तथा सैनिक सम्मेलन भी किया। उन्होने पूर्वोत्तर में अमन एवं शांति बनाए रखने के लिए जवानों को कड़ी मेहनत करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने जवानों के रहने की स्थिति एवं कल्याण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने अस्पताल का भ्रमण किया तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे मे पूछताछ की। महानिदेशक, के.रि.पु.बल ने जवानों को अन्य संगठन एवं आम जनता से सद्भावपूर्ण संबंध बनाये रखने को कहा। सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें महानिदेशक ने व्यक्तिगत रूप से जवानों से बातचीत की। जवानों द्वारा उठाये गये मुद्दों को मौके पर ही निपटान किया गया।

महानिदेशक, के.रि.पु.बल ने पुलिस महानिरीक्षक पूर्वोत्तर सेक्टर के साथ मेघालय के माननीय राज्यपाल श्री तथागत रॉय से मुलाकात की। उन्होंने इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए के.रि.पु.बल द्वारा निभायी जा रही भूमिका से राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल ने के.रि.पु.बल द्वारा निभायी जा रही भूमिका की सराहना की तथा अपने तरफ से अधिकारियों एवं जवानों को बधाई दी।

महानिदेशक, के.रि.पु.बल ने सुरक्षा एवं प्रशासनिक मामले जिसमे के.रि.पु.बल मुख्य भूमिका निभा रही है उसकी समीक्षा की। उन्होने ग्रुप केन्द्र के.रि.पु.बल, गुवाहाटी में खुली हवा का व्यायामशाला का उद्घाटन किया तथा भ्रमण के दौरान शहीदों के परिवार से बातचीत की। शहीद परिवारों ने उन्हें सरकार तथा विभाग से मिल रही सहायता से संतोष व्यक्त किया।

राजभवन, शिलांग का दौरा



शिलांग स्थित राजभवन में मेघालय के माननीय राज्यपाल श्री तथागत राय सें श्री राजीव राय भटनागर, भा.पु.से., महानिदेशक, के.रि.पु.बल मुलाकात करते हुए। राज्यपाल ने पूर्वोत्तर में सामान्य स्थिति एवं शांति बहाल करने में के.रि.पु.बल की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

असम रायफल मुख्यालय लेटकोर, शिलांग का भ्रमण



महानिदेशक, के.रि.पु.बल श्री राजीव राय भटनागर, भा.पु.से. ने असम रायफल के महानिदेशक लेफ्टीनेंट जनरल सुखदीप सांगवान से असम रायफल मुख्यालय, शिलांग में मुलाकात तथा परिचालनिक मामले तथा प्रति विद्रोहात्मक अभियान तथा आंतरिक सुरक्षा ड्यूटी में सुरक्षा बलों की प्रमुखता के बीच तालमेल पर चर्चा की।

67 बटालियन के.रि.पु.बल, शिलांग में भ्रमण एवं सैनिक सम्मेलन





बल के महानिदेशक श्री राजीव राय भटनागर, भा.पु.से., ने शिलांग स्थित के.रि.पु.बल बटालियन का भ्रमण किया एवं जवानों के साथ औपचारिक बातचीत की। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में अमन शांति एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिए जवानों को अथक परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया।

ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल, गुवाहाटी में खुली हवा का व्यायामशाला का उद्घाटन



बल के महानिदेशक श्री राजीव राय भटनागर, भा.पु.से., ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल गुवाहाटी में खुली हवा का व्यायामशाला का उद्घाटन एवं जवानों के साथ बातचीत करते हुए।



बल के महानिदेशक ने ग्रुप केन्द्र परिसर गुवाहाटी में संयुक्त अस्पताल का भी भ्रमण किये तथा भर्ती रोगी जवानों को फल वितरित किए। संयुक्त अस्पताल गुवाहाटी का नवीनीकरण के लिए बल के महानिदेशक द्वारा आरम्भिक तौर पर 5 लाख रूपये मंजूर किए गए।

ग्रुप केन्द्र गुवाहाटी में शहीदों के परिवार से बातचीत करते हुए





बल के महानिदेशक एवं डॉ. श्रीमती मनु भटनागर, अध्यक्ष, कावा, पुलवामा शहीद सहित हाल ही में शहीद हुए जवानों के निकट संबंधियों से बातचीत करते हुए। के.रि.पु.बल द्वारा हाल ही में शुरू किए गए शहीदों के निकट संबंधियो के कल्याण के लिए सी.आर.पी.एफ. 'वीर परिवार' मोबाईल ऐप के बारे मे महानिदेशक द्वारा व्यक्तिगत रूप से जानकारी देते हुए।

महानिदेशक के दौरे

ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल, भुवनेश्वर, (उड़ीसा) दिनांक 11.07.2019





205 कोबरा बटालियन के.रि.पु.बल, गया (बिहार) दिनांक 01.08.2019





ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल, मोकामाघाट, पटना (बिहार) दिनांक 01.08.2019





महानिदेशालय के कार्यक्रम

वार विडो द्वारा सी.आर.पी.एफ. के शहीदों के परिवार के लिए चैक अनुदान, दिनांक 03.07.2019





महानिदेशालय में साईबर क्राईम प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिनांक 16.07.2019





महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशस्ति-पत्र का वितरण, दिनांक 26.07.2019





महानिदेशालय के कार्यक्रम

श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक के.रि.पु.बल द्वारा अधिवार्षिता पर गये श्री आर.पी. सिंह, विशेष महानिदेशक एवं बी.पी.आर.एंड डी. में प्रत्यावर्तन पर गये श्री वी.एस.के. कौमुदी, अपर महानिदेशक को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए, दिनांक 27.07.2019





श्री अजय कुमार भल्ला, ओ.एस.डी.,गृह मंत्रालय का महानिदेशालय का दौरा, दिनांक 31.07.2019





महानिदेशालय में जल संरक्षण सप्ताह शपथ समारोह, दिनांक 05.08.2019





महानिदेशालय के कार्यक्रम

अरिजीत सरकार एवं सलोनी भाटिया द्वारा 'भारत के वीर' फंड हेतु रुपये 8,54,271/- का चैक, दिनांक 05.08.2019





महानिदेशालय में ब्रह्मकुमारी बहनों द्वारा रक्षाबंधन, दिनांक 14.08.2019





महानिदेशालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह, दिनांक 15.08.2019





महानिदेशालय के कार्यक्रम

सद्भावना दिवस शपथ समारोह, दिनांक 20.08.2019





महानिदेशक द्वारा फिक्की पुलिसिंग अवार्ड एवं विशेष जूरी अवार्ड से सम्मानित अधिकारियों का अभिवादन, दिनांक 23.08.2019





महानिदेशालय के सम्मेलन हॉल में पर्वतारोही टीम का अभिवादन, दिनांक 29.08.2019





राजभाषा सम्मान



श्री टी.एन.खुन्टिया, पु.उ.म.नि. ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल लखनऊ को दिनांक 25 जून 2019 को राजभाषा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए नराकास अध्यक्ष एवं राजभाषा विभाग गाजियाबाद के प्रतिनिधि श्री अजय मलिक, उप निदेशक



राजभाषा पत्रिका पराक्रम के चतुर्थ संस्करण का दिनांक 13/05/19 को विमोचन करते श्री सुभाष चन्द्र, भा.पु.से., मध्य सेक्टर, के.रि.पु.बल, लखनऊ साथ में श्री जसबीर सिंह संधू, उप महानिरीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण

विविध कार्यक्रम

239 बटालियन के.रि.पु.बल के तीसरा स्थापना दिवस समारोह, दिनांक 01.07.2019





शहीद सिपाही शोभित शर्मा की प्रतिमा का अनावरण, दिनांक 14.07.2019





विविध कार्यक्रम

आंतरिक सुरक्षा अकादमी माउंट आबू में लीडरशिप कोर्स का आयोजन, दिनांक 22-27.07.2019





124 बटालियन के.रि.पु.बल द्वारा रक्तदान शिविर का अयोजन, दिनांक 26.07.2019





100वीं बटा. द्रु.का.बल द्वारा अंगदान दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम, दिनांक 13.08.2019



100वीं बटा. द्रु.का.बल द्वारा पौधारोपण, दिनांक 20.08.2019





विविध कार्यक्रम

श्री अमरनाथ जी यात्रा 2019 में तीर्थयात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए तैनात के.रि.पु.बल













कावा कार्यक्रम

डॉ. मनु भटनागर, अध्यक्ष कावा द्वारा ग्रु.के. गुरूग्राम में 'फैब्रिक स्पा' का उद्घाटन करते हुए, दिनांक 20.07.2019





डॉ. मनु भटनागर, अध्यक्ष कावा द्वारा ग्रु.के. जालंधर में शहीद की आश्रिता को चेक प्रदान करते हुए (बायें) एवं बेकरी का उद्घाटन करते हुए(दायें), दिनांक 11-12.08.2019





81वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, नई दिल्ली में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय के साथ डॉ. मनु भटनागर, अध्यक्ष कावा एवं अन्य सदस्यगण, दिनांक 27.07.2019



डॉ. मनु भटनागर, अध्यक्ष कावा द्वारा डॉ. नन्दिता पालसेटकर, अध्यक्ष फोग्सी का अभिवादन, दिनांक 27.08.2019



उपलब्धियाँ

परिचालन शाखा

जम्मू व कश्मीर

05 / 07 / 2019

श्री अनिल कुमार बृक्ष, कमाण्डेंट–178 बटालियन केरिपुबल के नेतृत्व में केरिपुबल की टुकड़ियां, 44 आर. आर. और राज्य पुलिस (एस.ओ.जी.) के साथ गांव नरवानी, इमाम साहिब थानान्तर्गत जिला शोपिया (जम्मू व कश्मीर) में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान सुरक्षाबल की टुकड़ियों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की तलाशी करने पर एक उग्रवादी का शव जिसे समीर अहमद उर्फ वकाहभाई (अल–बादर / बी) के रूप में पहचान की गई, बदामद हुई।

16 / 07 / 2019

श्री राम निवास शेखु, कमाण्डेंट–179 बटालियन केरिपुबल के नेतृत्व में 45, 92 एवं 177 बटालियन केरिपुबल की टुकड़ियां, 22 आर.आर., एस.ओ.जी. सोपोर और राज्य पुलिस के साथ मिर मोहल्ला, सोपोर थानान्तर्गत, जिला बारामुला (जम्मू व कश्मीर) में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल की टुकड़ियों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुआ जिसमें अदनान चन्ना (निवासी बारामुला, जम्मू व कश्मीर) नामक एक एल.ई.टी. उग्रवादी मारा गया। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की तलाशी करने पर निम्नलिखित सामान बरामद किए गए :– 01 नग ए.के.–47 (03 मैगजीन के साथ), 10 नग 7.62 एम.एम. का गोलाबारूद और 02 नग पाउच।

27 / 07 / 2019

श्री हरिशंकर शुक्ला, सहा. कमा.–14 बटालियन केरिपुबल के नेतृत्व में केरिपुबल, 23 पारा और राज्य पुलिस के साथ बोन बाजार, शोपियां थानान्तर्गत, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल की टुकड़ियों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की तलाशी करने पर निम्नलिखित सामान बरामद किए गए :– 02 उग्रवादियों का शव, जिसे जीनत–उल–इस्लाम मिर (निवासी शोपियां) और मुन्ना लोहारी (एफ.टी,. जे.इ.एम. कमाण्डर) के रूप में पहचान की गई, 01 नग एस.एल.आर., 01 नग पिस्टल, 02 नग ए.के. 47 राईफल, 01 नग यूबीजीएल, 06 नग यूबीजीएल ग्रेनेड, 03 नग चाईनिज ग्रेनेड।

30 / 07 / 2019

श्री अजय कुमार शर्मा, कमाण्डेंट–90 बटालियन केरिपुबल के नेतृत्व में केरिपुबल की टुकड़ी, 3 आर.आर. और राज्य पुलिस के साथ कट्टू, बृजबेहरा थानान्तर्गत, जिला अनंतनाग (जम्मू व कश्मीर) में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल की टुकड़ियों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की तलाशी करने पर 02 उग्रवादियों का शव, जिसे शान शौकत भट्ट (निवासी अनंतनाग) और फयाज अहमद ठोकर (त्राल क्षेत्र) के रूप में पहचान की गई, 01 नग ए.के. 47, 01 नग पिस्टल बरामद किया गया।

01 / 08 / 2019

श्री हरिशंकर शुक्ला, सहायक कमांडेंट–14 बटालियन केरिपुबल के नेतृत्व में के.रि.पु.बल की टुकड़ी 34 आर.आर.

तथा स्थानीय पुलिस के साथ जम्मू–कश्मीर के शोंपियां थानान्तर्गत पंडोशन ग्राम में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल की टुकड़ियों और आंतकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल से 02 आंतकवादियों– जीनत उल इस्लाम नाईकू, जे.इ.एम. तथा मंजूर अहमद भट्ट, एच.एम, निवासी शोपियां, जम्मू–कश्मीर के शव, 02 मैंगजीन सहित 01 एके सीरीज राइफल एवं 02 मैंगजीन सहित 01 एसएलआर बरामद किया गया।

03 / 08 / 2019

श्री संजीव कुमार, सहा. कमा. के नेतृत्व में, 92, 177 एवं 179 बटालियन केरिपुबल के टुकड़ियों ने राज्य पुलिस और 22 आर.आर. के साथ मिलकर भट्ट मोहल्ला, मल्मापनपोरा, बोमई थानान्तर्गत, जिला सोपोर (जम्मू व कश्मीर) में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल की टुकड़ियों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल की तलाशी करने पर जे.इ.एम. के 02 उग्रवादियों का मृत शरीर जिसमें 01 की पहचान उमर शाह बाज वानी (निवासी बंदीपोरा जम्मू व कश्मीर) के रूप में की गई तथा 01 नग ए.के. 47 राईफल, 05 नग ए.के.–56 का मैंगजीन, 01 नग पिस्तौल का कवर, 02 नग एम्यूनेशन पाउच, रू. 6,285 / –नकद बरामद किया गया।

21 / 08 / 2019

श्री केपिंग गिल, द्वितीय कमान अधिकारी–53 बटालियन केरिपुबल के नेतृत्व में केरिपुबल की टुकड़ी, एसओजी तथा 46 आर.आर. के साथ जम्मू–कश्मीर के बारामूला जिले के बारामूला थानान्तर्गत बारामूला के ऑल्ड टाउन के गनी हमाम मौहल्ला में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल की टुकड़ियों और आंतकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल से 01 आंतकवादी – मोमिन गोजरी, निवासी बारामूला, जम्मू–कश्मीर का शव तथा 01 पिस्तौल बरामद किए गए। इस मुठभेड़ में एसओजी का 01 सिपाही बिलाल अहमद शहीद एवं स्पलिंटर लगने से दो अन्य जवान घायल हो गए और 46 आरआर के एक जवान को हल्की चोटें आई।

एलडब्ल्यूई क्षेत्र

बिहार

25 / 07 / 2019

श्री दिलीप मलिक, उप कमांडेंट– 205 कोबरा बटालियन के नेतृत्व में 159, 47 एवं 152 बटालियन के.रि.पु.बल की टुकड़ियॉं एवं स्थानीय पुलिस के साथ बिहार के औरंगाबाद जिले के देव थानान्तर्गत बंगला बगीचा में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बल की टुकड़ियों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद घटना स्थल से 03 माओवादियों के शव, 03 मैंगजीन सहित एकेएम सीरीज की 01 राइफल, 09 मैंगजीन सहित 03 इन्सास राइफल, 02 मैंगजीन सहित 01 कारबाईन, 01 मैंगजीन के साथ 01 यूएस कारबाईन, 01 मैंगजीन के साथ .303 राइफल, 04 नग आईइडी(स्टील केंटेनर में लगभग 2 किलो वजनी), 93 नग 7.62X39 एम. एम. का जिन्दा कारतूस, 377 नग 5.56X45 एम.एम. का जिन्दा कारतूस, 84 नग 09 एम.एम. का जिन्दा कारतूस, 84 नग 303 का जिन्दा कारतूस, 120 नग 13 एम.एम. का जिन्दा कारतूस, 33 नग ए.के. सीरीज के खाली खोखे, 13 नग इन्सास के खाली खोखे, 03 नग 9 एम.एम. का खाली खोखे, 01 नग 13 एम.एम. यूएस कारबाईन का खाली खोखे, 07 नग एम्यूनेशन पाउच, 09 नग एसडी मेमौरी कार्ड, 01 नग कैमरा, 22 नग सीम कार्ड सहित 16 नग मोबाइल फोन, 01 नग कम्पास पार्ट, 06 नग हैवरशेक, 01 जोड़ी ब्लैक यूनीफॉर्म, सीपीआई लेवी रसीद की 01 बुकलेट, 05 नग डीसी सौलर चार्जर, 01 बण्डल बिजली का तार, 01 नग शहीद शपथ बुकलेट, माओवादी साहित्य, 04 नग दवाईयां सहित फर्स्टएड बॉक्स एवं विविध सामग्री बारामद किया गया।

छत्तीसगढ़

09 / 07 / 2019

श्री मयंक कुमार दनसेना, उप कमांडेंट–206 कोबरा बटालियन के नेत्त्व में डीआरजी तथा एसटीएफ के साथ छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के चिंतागुफा थानान्तर्गत

डुबाकोंटा ग्राम में नाकाबंदी और तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल की टुकड़ियों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान में 01 महिला माओवादी का शव तथा 01 इन्सास राईफल सहित माओवादी साहित्य बरामद किया गया।

12/07/2019

श्री हरिन्दर सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 195 एवं 230 बटालियन, के.रि.पु.बल की टुकड़ियां एवं डी0आर0जी0 के जवानों ने छत्तीसगढ के सुकमा जिला के कुकानार थानान्तर्गत पैड्डा डाबा में एक संयुक्त ऑपरेशन किया। सुरक्षा बल के जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड हुई। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद तलाशी अभियान में 01 नग 09 एमएम पिस्टल और गोला–बारूद पाऊच सहित एक माओवादी की शव बरामद हुआ जिसकी पहचान मरकम हुररा (28 वर्ष, निवासी दांतेवाडा, छत्तीसगढ और इस पर 05 लाख का ईनाम घोषित था) के रूप में हुई।

27/07/2019

श्री आर0के0 बहाली, उप कमाण्डेंट–80 बटालियन के.रि.पु.बल के नेतृत्व में के.रि.पु.बल की टुकड़ी और राज्य पुलिस (डीआरजी0, सीएएफ0, एसटीएफ0 डीईएफ0) ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिलान्र्गत डरभा थाना के ग्रम गुरूगोथन में एक विशेष संयुक्त ऑपरेशन चलाया। इस दौरान सुरक्षा बल और माओवादियों के बीच मुठभेड हुई। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद तालाशी अभियान में 07 माओवादियों के शव, 01 नग इन्सास राईफल, 04 नग .303 राईफल, 03 नग डेटोनेटरस, बिजली की तार, दवाईयां, माओवादी साहित्य, एवं विविध सामान बरामद किया गया।

झारखण्ड

18/07/2019

श्री चेतन सेलोटकर, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 158 एवं 214 बटालियन के.रि.पु.बल की टुकड़ियां एवं राज्य पुलिस के जवानों के साथ झारखण्ड के लोहरदगा जिला के बगदु थानान्तर्गत सैदाटोली जंगल क्षेत्र में तालाशी अभियान चलाया गया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल के जवानों एवं जेएमपी (माओवादियों) के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें जेजेएमपी कैडर के 03 माओवादियों को मार गिराया गया। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद घटना स्थल की तालाशी करने पर 03 जेजेएमपी कैडर के माओवादियों की शव सहित 02 नग ए0के0–46 राईफल (02 मेगजीन के साथ), 02 नग एसएलआर मैगजीन, 148 नग 7.62 एमएम का कारतूस, 28 नग 30.06 कैलीवर कारतूस, 10 नग 7.62 ग 51 एमएम का कारतूस, 05 नग पाऊच, 14 नग 7.62 एमएम के खाली खोखे, 05 नग मोबाईल एवं विविध सामग्री बरामद किया गया।

09/08/2019

श्री अमित सिन्हा, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 94 एवं 174 बटालियन के.रि.पु.बल की टुकड़ियां तथा राज्य पुलिस ने झारखण्ड के पश्चिमी सिंहभूम जिला के गुदरी थानान्तर्गत ग्राम थोलकोबेरा तालाशी अभियान चलाया। इस दौरान सुरक्षा बल के जवानों और माओवादियों के बीच में मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद घटना स्थल की तालाशी के दौरान 01 माओवादी का शव (जिसकी पुष्टि होनी है), 07 जिन्दा कारतूस सहित 01 नग .315 देशी राईफल, 18 जिन्दा कारतूस सहित 02 नग 12 बोर डबल बैरल देशी बन्दुक, 7.62X39 एमएम का 33 नग जिन्दा करातूस, 02 नग ए0के0–47 का मैगजीन, 21 नग मोबाईल, 23 नग सिम कार्ड, 04 नग आईटीईएल ब्लोब बैटर रेड कलर, नकद राशि रू0 1800/–, दवाईयां, 03 नग मैगजीन पाउच और विविध सामान बरामद किया गया।

ओडिशा

24/07/2019

श्री सचिन चौहान, उप कमाण्डेंट–202 कोबरा बटालियन के नेतृत्व में कोबरा बटालियन की टीम एवं एस.ओ.जी. की एक टीम ने ओडिशा के कालाहांडी जिलान्तर्गत भवानीपटना थाना के बंधखल ग्राम में संयुक्त तालाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबल के जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद तालाशी अभियान में 01 माओवादी के शव के साथ 01 नग .303 राईफल और रोजमर्रा में प्रयोग होने वाले सामान बरामद किया गया।

संभरण शाखा

- 09 एन.एल.जे.डी. (अण्डर टोलरेंस क्लाउज) की खरीदारी के लिए दिनांक 07/05/2019 को रूपये 60,53,400/– की मंजूरी आदेश जारी की गई है। तदनुसार इसे मेसर्स सिक्युरिटी शॉपी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली को दिनांक 08/05/2019 को एटी (सप्लाई आदेश) जारी की गई।
- 15 नग 500 एम0ए0 एक्स–रे मशीन की खरीदारी के लिए दिनांक 03/06/2019 को रूपये 17,64,00,000/– की मंजूरी प्रदान की गई है। तद्नुसार मेसर्स क्कांक्शा इंटरप्राइजेज नई दिल्ली को दिनांक 04/06/2019 को एटी(सप्लाई आदेश) जारी की गई।
- 496 नग हैंड हेल्ड थर्मल ईमेज (अन–कूल्ड) शॉर्ट रेंज मेक एण्ड मॉडल 'ईके–640–एफ0एक्स' की खरीदारी के लिए दिनांक 02/06/2019 को रूपये 17,44,13,440/– मात्र की मंजूरी दी गई। तदनुसार मेसर्स टोनबो ईमेजिंग इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलुरू को दिनांक 13/06/2019 को एटी (सप्लाई आदेश) जारी की गई।
- सेनेटरी नैपकीन मशीन प्राधिकृत किये जाने के उपरांत गृह मंत्रालय से के.रि.पु.बल के महिला कार्मिकों के लिए सेनेटरी नैपकीन बर्निंग मशीन तथा क्लॉथ ड्रायर पोर्टेबल स्टील फ्रेम प्राप्त हुआ है।

भर्ती शाखा

1. 84 जी.डी.एम.ओ. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 84 बटालियनों के लिए नई पदों का सृजन कर संविदा पर भरने के लिए 05 केन्द्रों पर दिनांक 30/07/19 को एवं 02 केन्द्रों पर दिनांक 30/07/19 व 31/07/19 को प्रवेश साक्षात्कार कराया जायेगा। कम्पोजिट अस्पताल, जगदलपुर के लिए 07 विशेषज्ञ डॉक्टर एवं 01 दंत चिकित्सक/डॉक्टर का भी प्रवेश साक्षात्कार दिनांक 30/07/19 को कम्पोजिट अस्पताल बिलासपुर में कराया जा रहा है।
2. गृह मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में उप निरीक्षक/जीडी की परीक्षा कराने के लिए बी.एस.एफ. को नोडल फोर्स नियुक्त किया गया है। जो अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण हुए है, उनकी पी.ई.टी/पी.एस.टी दिनांक 22/07/2019 से दिनांक 31/07/2019 तक बी.एस.एफ. के निर्देशन में अन्य सशस्त्र पुलिस बलों के केन्द्रों पर करायी जा रही है। उक्त केन्द्रों में से के.रि.पु.बल के 04 भर्ती केन्द्र शामिल है।
3. गृह मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सिपाही/जीडी परीक्षा–2018 सम्पन्न कराने हेतु के.रि.पु.बल को नोडल फोर्स नियुक्त किया गया है। केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सिपाही के 54,953 पदों के लिए कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से दिनांक 30/09/2018 तक आवेदन मॉगे गये थे, जो बाद में 58,373 हो गई है। इनमें से 21,566 रिक्तियॉ के.रि.पु.बल की है। परीक्षा के तहत जिन सिपाहियों की भर्ती की जाएगी उन्हें आई.टी.बी.पी., बी.एस.एफ., सी.आई.एस.एफ., सी.आर.पी.एफ., एस.एस.बी., असम राईफल्स, एन.आई.ए. और एस.एस.एफ. में नियुक्त किया जाएगा। कर्मचारी चयन आयोग द्वारा उक्त भर्ती की लिखित परीक्षा (कम्प्यूटर आधारित परीक्षा) दिनांक 11/02/2019 से 11/03/2019 तक करायी जा चुकी है। 52,20,335 रजिस्टर्ड अभ्यर्थियों में से 30,41,284 अभ्यर्थियों ने कम्प्यूटर आधारित परीक्षा में भाग लिया। कम्प्यूटर आधारित परीक्षा का परिणाम कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिनांक 20/06/2019 को घोषित किया जा चुका है। कम्प्यूटर आधारित परीक्षा में कुल 5,34,052 अभ्यर्थी उत्तीर्ण घोषित हुए। उत्तीर्ण अभ्यार्थीयो की शारीरिक दक्षता/मापदण्ड, चिकित्सा परीक्षण के.रि.पु.बल के निर्देशन में अन्य सशस्त्र पुलिस बलों के 103 बोर्ड द्वारा 100 केन्द्रों पर करायी जायेगी।
4. माह जुलाई–अगस्त, 2019 में कुल 08 करूणामूलक आधार पर भर्ती के मामले निर्णित हुए। ये सभी मामले पुरूषो से संबंधित है।

पदोन्नति



श्री जुल्फीकार हसन, भा.पु.से.
पुलिस महानिरीक्षक से
अपर महानिदेशक पर पदोन्नत

प्रत्यावर्तन



श्री राज कुमार, भा.पु.से.
पुलिस महानिरीक्षक
अपने कैडर (उत्तर प्रदेश) में प्रत्यावर्तित

स्थानान्तरण

क्र.सं.	ईरला नं.	पदनाम	नाम	पूर्व तैनाती	नई तैनाती
1	2528	महानिरीक्षक	**ए.वी. चौहान**	जम्मू सैक्टर	राजस्थान सैक्टर
2	3541	उप महानिरीक्षक	**अनीश सिरोही**	एस.पी.जी.	उप महानिरीक्षक(परिचालन) नॉर्थ कश्मीर, बारामूला

शहीदों को सलाम



शहीद सिपाही
रोशन कुमार, 195 बटालियन
13.01.1996—31.07.2019



शहीद सिपाही
जितेन्द्र कुमार, ग्रुप केन्द्र, भोपाल
20.03.1988—10.08.2019

महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र

(जुलाई–अगस्त, 2019)

क्र.सं.	ईरला / बल संख्या	पदनाम	नाम	कार्यालय	अभ्युक्ति
1	6296	द्वितीय कमान अधिकारी	शैलेन्द्र कुमार	168 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
2	10694	सहायक कमाण्डेन्ट	एल.चरण तेज कुमार रेड्डी	168 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 1स्टार
3	10699	सहायक कमाण्डेन्ट	श्रीनिवासन जे.	168 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
4	135214256	उप निरीक्षक / जीडी	पवन पण्डित	168 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
5	172412748	सिपाही / जीडी	अवलम लक्ष्मण	168 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
6	11322	महानिरीक्षक	अजय कुमार यादव	संचार और आई.टी. महानिदेशालय	कांस्य (प्रशासन)
7	3123	उप महानिरीक्षक	विजय कुमार	आई.टी. महानिदेशालय	स्वर्ण (प्रशासन) 3 स्टार
8	8378	उप कमाण्डेन्ट	विशाल वर्मा	आई.टी. महानिदेशालय	रजत (प्रशासन)
9	060420021	निरीक्षक / आशु	राकेश	आई.टी. महानिदेशालय	कांस्य (प्रशासन)
10	034012241	हवलदार / आर0ओ0	मनोज कुमार लील	आई.टी. महानिदेशालय	कांस्य (प्रशासन)
11	034011636	हवलदार / आर0ओ0	मोहिउद्दीन शेख	आई.टी. महानिदेशालय	कांस्य (प्रशासन)
12	11137	सहायक कमाण्डेन्ट	बी0 सरवन कुमार	153 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
13	880921157	स.उ.नि. / जीडी	अमर देव सिंह	153 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
14	901340999	स.उ.नि. / जीडी	नरदेव सिंह	153 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
15	115197876	सिपाही / जीडी	जितेन्द्र कुमार	153 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
16	–	एयर कमाण्डर	जे.वी.एस गुरोन, वी.एम	आई0ए0एफ रायपुर	कांस्य (परिचालन)
17	–	विंग कमाण्डर	एस.एस. मुल्तानी, वी.एम	आई0ए0एफ रायपुर	कांस्य (परिचालन)
18	065025718	सिपाही / जीडी	उधम सिंह	45 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
19	135024084	सिपाही / जीडी	सहदेव पाण्डेय	45 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
20	6694	द्वितीय कमान अधिकारी	संजीव कुमार सिंह	178 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
21	9824	सहायक कमाण्डेन्ट	अनुरुद्ध प्रताप	178 बटालियन	रजत (परिचालन)
22	015231056	निरीक्षक / जीडी	अनिल कुमार राठौड़	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
23	951361436	हवलदार / जीडी	बलिन्दर सिंह	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
24	135380832	सिपाही / जीडी	जहाँगीर मुनव्वर	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
25	145044479	सिपाही / जीडी	संजय कुमार कामथ	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
26	125051132	सिपाही / जीडी	विष्णु जी.एस.	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
27	145043241	सिपाही / जीडी	सुमन मंडल	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
28	065134481	सिपाही / जीडी	भद्रेश्वर स्वरोगरी	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
29	155160079	सिपाही / बिगुलर	करनदीप सिंह	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
30	045111797	सिपाही / जीडी	अतर सिंह	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
31	115162145	सिपाही / जीडी	सुखजिंदर सिंह	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
32	060720898	सिपाही / जीडी	इल्लियास अहमद	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
33	–	पुलिस अधीक्षक	संदीप चौधरी	जे0के0पी0	कांस्य (परिचालन)
34	72672 एच	मेजर	धीरज जाधव	44 आर0आर0	कांस्य (परिचालन)
35	5183	द्वितीय कमान अधिकारी	कुमार मयंक	182 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 2स्टार
36	005221388	हवलदार / जीडी	संतोष कुमार पाठक	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
37	115262416	सिपाही / जीडी	कुलदीप	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
38	061778527	सिपाही / जीडी	अमित रॉय	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
39	135322093	सिपाही / जीडी	देवेंद्र पुजारी	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
40	5276	द्वितीय कमान अधिकारी	सुनील भवर	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
41	015184647	हवलदार / जीडी	राकेश कुमार	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
42	031435516	सिपाही / जीडी	सतनाम सिंह	183 बटालियन	रजत (परिचालन)
43	145045066	सिपाही / जीडी	अमित कुमार सिंह	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
44	145063563	सिपाही / जीडी	रामेश्वर	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
45	115052831	सिपाही / जीडी	संगमेश	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
46	4001	कमाण्डेन्ट	नदीम अहमद समदानी	182 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 1स्टार
47	10887	सहायक कमाण्डेन्ट	एम. शिवजीत सिंह	182 बटालियन	रजत (परिचालन)

48	041700619	सिपाही/जीडी	लल्लू सिंह	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
49	105172086	सिपाही/जीडी	आशान अहमद	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
50	041604434	सिपाही/जीडी	रणजीत मचरी	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
51	115262416	सिपाही/जीडी	कुलदीप सिंह	182 बटालियन	रजत (परिचालन)
52	001381908	हवलदार/जीडी	वी किरण कुमार	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
53	055351559	सिपाही/जीडी	आरबी नाथ	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
54	901003459	स.उ.नि./जीडी	दर्शन लाल	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
55	001392296	हवलदार/जीडी	संजय कुमार	183 बटालियन	रजत (परिचालन)
56	145252596	सिपाही/जीडी	सूरज शालिक जानभूले	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
57	109251	निरीक्षक	मोहम्मद हाफिज	जे.के.पी.	कांस्य (परिचालन)
58	एमएस18863के	कैप्टन(चिकि. अधिकारी)	सुभ्रामिता दास	439 एफडी अस्प.(आर्मी)	कांस्य (परिचालन)
59	15442449–के	सिपाही/नर्सिंग सहायक	रिंपन मंडल	44 आर.आर. आर्मी	कांस्य (परिचालन)
60	821291155	निरीक्षक/जीडी	सतवीर सिंह	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
61	065005067	सिपाही/जीडी	प्रेम कुमार परिहार	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
62	115196852	सिपाही/जीडी	कुणाल वामन गोटफोडे	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
63	5258	द्वितीय कमान अधिकारी	राजेश कुमार	130 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 1स्टार
64	031450399	निरीक्षक/जीडी	संजीव कुमार थपियाल	130 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
65	155110544	सिपाही/जीडी	संदीप	130 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
66	155110081	सिपाही/जीडी	संदीप कुमार	130 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
67	155110125	सिपाही/जीडी	विकास कुमार	130 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
68	155110072	सिपाही/जीडी	रामशरण यादव	130 बटालियन	रजत (परिचालन)
69	4065	कमाण्डेन्ट	हेन्जांग	18 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 1स्टार
70	9999	सहायक कमाण्डेन्ट	जगदीश यादव	18 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
71	11696	सहायक कमाण्डेन्ट	देवेन्द्र सिंह	18 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
72	135340581	उप निरीक्षक/जीडी	रवि रंजन	18 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
73	065341324	सिपाही/जीडी	बशीर अहमद	18 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
74	135250448	सिपाही/जीडी	नामदेव धांगे	18 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
75	151160013	उप निरीक्षक/जीडी	आर डी लकड़ा	116 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
76	105195363	सिपाही/जीडी	सुरेन्द्र कुमार	18 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
77	–	पुलिस उप अधीक्षक	सुरेन्द्र मोहन	जे.के.पी.	कांस्य (परिचालन)
78	6034	द्वितीय कमान अधिकारी	एफ ए बगरावत	182 बटालियन	रजत (परिचालन)
79	11142	सहायक कमाण्डेन्ट	राम किशन	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
80	041596166	उप निरीक्षक/जीडी	राजीवन एम.वी.	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
81	135321256	सिपाही/जीडी	देवेन्द्र कुमार	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
82	001374779	हवलदार/जीडी	काले सुनील	182 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
83	125192162	सिपाही/जीडी	मनोज कुमार	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
84	9232	सहायक कमाण्डेन्ट	अखिलेश कुमार	183 बटालियन	रजत (परिचालन)
85	065009402	उप निरीक्षक/जीडी	माले सिंह	183 बटालियन	रजत (परिचालन)
86	065345669	सिपाही/जीडी	मोहम्मद अबस मकरू	183 बटालियन	रजत (परिचालन)
87	045111342	सिपाही/जीडी	भूपेन्द्र सिंह	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
88	11731	सहायक कमाण्डेन्ट	विद्या प्रदीप के.आई.	179 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
89	075278174	सिपाही/जीडी	बी. वेंकट रमन्ना	179 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
90	135277927	सिपाही/जीडी	केदारेश्वर राव	177 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
91	045022019	सिपाही/जीडी	जतन सिंह	92 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
92	175124577	सिपाही/जीडी	किरण पुंडे	92 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
93	991272816	हवलदार/जीडी	विनोद नीतनावरे	179 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
94	041651432	सिपाही/जीडी	सुरिन्दर कुमार	177 बटालियन	रजत (परिचालन)
95	115191332	सिपाही/जीडी	शशिकांत कुमार	176 बटालियन	रजत (परिचालन)
96	116212	पुलिस उप अधीक्षक	विनोद कुमार शर्मा	एस.ओ.जी. जे.के.पी.	कांस्य (परिचालन)
97	6684	द्वितीय कमान अधिकारी	हेमन्त कुमार	90 बटालियन	रजत (परिचालन)
98	015173012	हवलदार/जीडी	अखिलेश कुमार	18 बटालियन	रजत (परिचालन)
99	105313907	सिपाही/जीडी	उत्पल सरकार	18 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
100	061774717	सिपाही/जीडी	तपन रॉय	18 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
101	125001491	उप निरीक्षक/जीडी	अमित कुमार	163 बटालियन	रजत (परिचालन)
102	031473079	सिपाही/जीडी	अविनाश कुमार	163 बटालियन	कांस्य (परिचालन)

103	105200453	सिपाही/जीडी	गणेश कुमार राय	23 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
104	041656961	सिपाही/जीडी	मन्टु कुमार	90 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
105	145040829	सिपाही/जीडी	असीम दास	14 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
106	125121611	सिपाही/जीडी	गुमीत बकुल	14 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
107	175111625	सिपाही/जीडी	शिवपाल सिंह	14 बटालियन	रजत (परिचालन)
108	115063601	सिपाही/जीडी	माधो सिंह	14 बटालियन	रजत (परिचालन)
109	125090547	सिपाही/जीडी	कार्तिक नाथ	14 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
110	175112382	सिपाही/जीडी	अंकित चावला	14 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
111	175080712	सिपाही/जीडी	अजय कुमार	14 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
112	050020725	सिपाही/जीडी	संजीव कुमार	14 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
113	145312802	सिपाही/जीडी	सुबोधकांत मुंडा	14 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
114	175112132	सिपाही/जीडी	कविन्द्र मलिक	14 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
115	10908	सहायक कमाण्डेन्ट	मास्टर विकास	178 बटालियन	रजत (परिचालन)
116	041655224	सिपाही/जीडी	निरंजन डेका	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
117	115177483	सिपाही/जीडी	रामानंद साह	178 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
118	6280	द्वितीय कमान अधिकारी	हनुमान प्रसाद	133 बटालियन	रजत (परिचालन)
119	11132	सहायक कमाण्डेन्ट	रविशंकर सिंह	133 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
120	060812757	सिपाही/जीडी	बृजेश कुमार मिश्र	133 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
121	080210957	सिपाही/जीडी	राकेश कुमार सिंह	133 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
122	4013	कमाण्डेन्ट	डी.एस. नेगी	183 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 1स्टार
123	8859	सहायक कमाण्डेन्ट	वरुण शर्मा	182 बटालियन	प्रशस्ति रॉल
124	9323	सहायक कमाण्डेन्ट	अखिलेश कुमार	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
125	145340823	उप निरीक्षक/जीडी	सुधाकर कुमार गुप्ता	183 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 2स्टार
126	145044978	सिपाही/जीडी	कपिल पाल	183 बटालियन	रजत (परिचालन)
127	005042057	हवलदार/जीडी	विजय कुमार बेहरा	182 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
128	031414893	सिपाही/जीडी	प्रदीप दास	182 बटालियन	रजत (परिचालन)
129	115172141	सिपाही/जीडी	गगन देव	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
130	060650169	सिपाही/जीडी	आबिद अली	182 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
131	025011798	सिपाही/जीडी	तेज पाल सिंह	183 बटालियन	रजत (परिचालन)
132	175125716	सिपाही/जीडी	समसार शिवनारायण राजे	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
133	145261666	सिपाही/जीडी	सूरज कुमार	183 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
134	135121533	सिपाही/जीडी	पटेल महेश कुमार अरविंदभाई	183 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
135	8509	सहायक कमाण्डेन्ट	वेलत राम डांगी	180 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
136	9206	सहायक कमाण्डेन्ट	राजेश कुमार बरनाला	180 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 3स्टार
137	903062132	स.उ.नि./जीडी	मोहम्मद रफीक	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
138	005010217	हवलदार/जीडी	दलीप सिंह मीणा	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
139	125340356	सिपाही/जीडी	नजीर अहमद	180 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
140	041582672	सिपाही/जीडी	बिजेंद्र सिंह	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
141	110070859	सिपाही/जीडी	श्यामवीर सिंह	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
142	075005505	सिपाही/जीडी	महेश कुमार मीणा	180 बटालियन	रजत (परिचालन)
143	115206152	सिपाही/जीडी	प्रशांत कुमार	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
144	499	हवलदार/एसओजी	निशार हुसैन	जे0के0पी0	कांस्य (परिचालन)
145	828	सिपाही	जैल सिंह	जे0के0पी0	रजत (परिचालन)
146	01401962	हवलदार/जीडी	हितेश्वर गोगोई	177 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
147	125231576	सिपाही/जीडी	बेअंत सिंह	177 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
148	105262316	सिपाही/जीडी	रामवीर सिंह	177 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
149	8475	सहायक कमाण्डेन्ट	संजय कुमार यादव	179 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
150	075054578	सिपाही/जीडी	सांगना आई. एच.	179 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
151	055020768	सिपाही/जीडी	मुरारी कुमार	179 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
152	065101181	सिपाही/जीडी	इंद्रजीत मेहता	92 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
153	125340828	सिपाही/जीडी	रेयाज अहमद नाजर	98 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
154	125251639	सिपाही/जीडी	परतेती राजेन्द्र	45 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
155	7470	उप कमाण्डेन्ट	देवेन्द्र मोहन शर्मा	180 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 2स्टार
156	8567	सहायक कमाण्डेन्ट	गोपाल राम	180 बटालियन	रजत (परिचालन)
157	903062132	स.उ.नि./जीडी	मोहम्मद रफीक	180 बटालियन	रजत (परिचालन)

158	005010217	हवलदार/जीडी	दलीप सिंह मीणा	180 बटालियन	रजत (परिचालन)
159	075005505	सिपाही/जीडी	महेश कुमार मीणा	180 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
160	145313996	सिपाही/जीडी	हरीश चंद्र पुर्ति	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
161	125075326	सिपाही/जीडी	मोहम्मद शबीर	180 बटालियन	रजत (परिचालन)
162	केपीएस125830	पुलिस उप अधीक्षक	अजाज अहमद	एस.डी.पी.ओ.तराल,	जे.के.पी.स्वर्ण(परि.)1स्टार
163	एआरपी.095789	सिपाही	अमनदीप सिंह	जे0के0पी0	कांस्य (परिचालन)
164	4459	कमाण्डेन्ट	इकबाल अहमद	45 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 3स्टार
165	6343	द्वितीय कमान अधिकारी	निरंजन सिंह	45 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
166	9779	सहायक कमाण्डेन्ट	शंकर लाल जाट	45 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
167	8287	सहायक कमाण्डेन्ट	के.के. सिंह	45 बटालियन	रजत (परिचालन)
168	8169	सहायक कमाण्डेन्ट	शब्बीर हुसैन	45 बटालियन	रजत (परिचालन)
169	065348874	सिपाही/जीडी	शब्बीर अहमद डार	45 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
170	061840068	सिपाही/जीडी	सैयद शोएब अहमद	45 बटालियन	रजत (परिचालन)
171	031503182	स.उ.नि./जीडी	ईश्वर दान चरण	45 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 1स्टार
172	075025203	सिपाही/जीडी	उपेन्द्र कुमार	45 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
173	135022749	सिपाही/जीडी	अजीत दुबे	45 बटालियन	रजत (परिचालन)
174	085170588	सिपाही/बिगुलर	राहुल सिंह	45 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
175	—	मेजर	जितेन्द्र सिंह मेहता	13 आर.आर.	कांस्य (परिचालन)
176	115527	उप निरीक्षक	आशिक हुसैन	जे.के.पी.	कांस्य (परिचालन)
177	8396	उप कमाण्डेन्ट	रामसजीवन सिंह	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
178	11159	सहायक कमाण्डेन्ट	जील सिंह	180 बटालियन	रजत (परिचालन)
179	095350855	निरीक्षक/जीडी	योगेश कुमार शर्मा	180 बटालियन	स्वर्ण (परिचालन)
180	001392572	हवलदार/जीडी	राजवीर शर्मा	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
181	115255394	सिपाही/जीडी	भगत विनीत शामराव	180 बटालियन	रजत (परिचालन)
182	145312419	सिपाही/जीडी	मधु कुमार	180 बटालियन	रजत (परिचालन)
183	031471976	सिपाही/जीडी	प्रकाश सिंह	180 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
184	135321568	सिपाही/जीडी	डीमोल्डर एक्का	180 बटालियन	रजत (परिचालन)
185	केपीएस017322	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	ताहिर सलीम खान	जे.के.पी.	कांस्य (परिचालन)
186	केपीएस125830	पुलिस उप अधीक्षक	अजाज अहमद	जे0के0पी0	स्वर्ण (परिचालन) 2स्टार
187	175410195	सिपाही/जीडी	नाला उपेन्द्र	176 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
188	175144506	सिपाही/जीडी	एम.जी. नायडू	176 बटालियन	कांस्य (परिचालन)
189	6687	द्वितीय कमान अधिकारी	रणधीर कुमार झा	124 बटालियन (संभरण महानिदेशा. में सलग्न)	स्वर्ण (प्रशासन) 1स्टार
190	8930	सहायक कमाण्डेन्ट	हेमंत कुमार शर्मा	सी0आई0ए0टी शिवपुरी	कांस्य (प्रशासन)
191	6935	उप कमाण्डेंट	दिलीप मलिक	205 कोबरा	स्वर्ण (परिचालन) 3स्टार
192	141540017	उप निरीक्षक/जीडी	संदीप कुमार	205 कोबरा	रजत (परिचालन)
193	115233577	हवलदार/जीडी	सतपाल यादव	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
194	105211455	हवलदार/जीडी	घोडके प्रकाश आर	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
195	943301241	हवलदार/जीडी	धनराजु मटका	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
196	041726166	हवलदार/आर0ओ0	सोमपाल सिंह	03 बेतार बटालियन	कांस्य (परिचालन)
197	075123258	सिपाही/जीडी	सिरसठ विकाश	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
198	115195998	सिपाही/जीडी	सतीश कुमार सिंह	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
199	145083706	सिपाही/जीडी	मुशाहिद अली	205 कोबरा	रजत (परिचालन)
200	145182758	सिपाही/जीडी	हरिराम जाटव	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
201	115042514	सिपाही/जीडी	सत्यजीत महाराणा	205 कोबरा	रजत (परिचालन)
202	145081686	सिपाही/जीडी	रोहित	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
203	145081311	सिपाही/जीडी	गु. जॉन थ्रो	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
204	145182099	सिपाही/जीडी	राहुल कुमार भारती	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
205	145083029	सिपाही/जीडी	देवेन्द्र प्रसाद	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
206	145024273	सिपाही/जीडी	नितेश कुमार	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
207	145234125	सिपाही/जीडी	संदीप कुमार	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
208	145091085	सिपाही/जीडी	दिगंत बोरा	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
209	105065843	सिपाही/जीडी	चंद्रेश सिंह	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)
210	115321377	सिपाही/जीडी	डोमन लाल	205 कोबरा	कांस्य (परिचालन)

211	125033223	सिपाही / जीडी	एम. परशुरामलु	205	कोबरा	कांस्य (परिचालन)
212	145051484	सिपाही / जीडी	मंजुनाथ गौली	205	कोबरा	कांस्य (परिचालन)
213	145023828	सिपाही / जीडी	सिकंदर कुमार	205	कोबरा	कांस्य (परिचालन)
214	155180561	सिपाही / बीडीडी	हरदेव सैनी	205	कोबरा	कांस्य (परिचालन)
215	031444979	सिपाही / बीडीडी	जितेन्द्र सिंह	153	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
216	4225	कमाण्डेंट	सुमंत कुमार झा	24	बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 3स्टार
217	6254	द्वितीय कमान अधिकारी	बाला राम	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
218	8257	सहायक कमाण्डेन्ट	हरबंस सिंह	24	बटालियन	रजत (परिचालन)
219	077210058	निरीक्षक / जीडी	सुनील कुमार	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
220	075021616	हवलदार / जीडी	हरिकेश सिंह यादव	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
221	175122645	सिपाही / जीडी	यादव रविराज हैबत राव	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
222	105160104	सिपाही / जीडी	हरमिन्दर पाल सिंह	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
223	075025881	सिपाही / जीडी	मुरली कनौजिया	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
224	031428128	सिपाही / जीडी	महेन्द्र कुमार यादव	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
225	045020551	सिपाही / जीडी	दुर्गेश कुमार पाण्डेय	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
226	105201299	सिपाही / जीडी	मनोज कुमार	24	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
227	7747	उप कमाण्डेन्ट	अशोक कुमार	06	बटालियन	स्वर्ण (प्रशासन)
228	8345	उप कमाण्डेन्ट	शशिकांत राय	183	बटालियन	रजत (परिचालन)
229	11142	सहायक कमाण्डेन्ट	राम किशन	182	बटालियन	रजत (परिचालन)
230	115081038	सिपाही / जीडी	संदीप कुमार	182	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
231	045061078	सिपाही / जीडी	भान सिंह तोमर	182	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
232	085210134	सिपाही / बिगुलर	वीर भान	182	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
233	135274526	सिपाही / जीडी	जे राज सेखाराम	182	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
234	145261666	सिपाही / जीडी	सूरज कुमार	183	बटालियन	स्वर्ण (परिचालन) 1स्टार
235	115190522	उप निरीक्षक / जीडी	रविशंकर	183	बटालियन	रजत (परिचालन)
236	135120857	सिपाही / जीडी	मोरी परवतभाई	183	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
237	175125716	सिपाही / जीडी	संसार शिवनारायण राजे	183	बटालियन	रजत (परिचालन)
238	055052116	सिपाही / जीडी	सतीश बी.बी.	183	बटालियन	रजत (परिचालन)
239	911620102	निरीक्षक / मंत्रा0	गोपाल दत्त	परिचालन महानिदेशालय		कांस्य (प्रशासन)
240	075280033	स.उ.नि. / मंत्रा0	जगदीश प्रसाद शर्मा	ग्रुप केन्द्र गांधीनगर परिचालन महानिदेशालय		कांस्य (प्रशासन)
241	7580	उप कमाण्डेन्ट	त्रिभुवन प्रताप सिंह	परिचालन महानिदेशालय		स्वर्ण (प्रशासन)
242	7187	उप कमाण्डेन्ट	सुखेंद्र सिंह सोमवंशी	175	बटालियन	कांस्य (प्रशासन)
243	095052098	निरीक्षक / जीडी	अमित सचान	ग्रुप केन्द्र नीमच परिचालन महानिदेशालय		कांस्य (प्रशासन)
244	821260776	निरीक्षक / जीडी	एन.एन. मुर्मू	239	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
245	041721377	सिपाही / जीडी	राजेश कुमार दीक्षित	137	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
246	.	स्वान	अजिक्सी	137	बटालियन	कांस्य (परिचालन)
247	11556	सहा. कमाण्डेन्ट / मंत्रा0	वी0 भारतन	कार्मिक महानिदेशालय		रजत (प्रशासन)
248	881620187	निरीक्षक / मंत्रा0	विपन कुमार	कार्मिक महानिदेशालय		रजत (प्रशासन)
249	901650169	निरीक्षक / मंत्रा0	देबाशीष चंदा	कार्मिक महानिदेशालय		कांस्य (प्रशासन)
250	911690084	निरीक्षक / मंत्रा0	देवेंद्र कुमार पंत	कार्मिक महानिदेशालय		कांस्य (प्रशासन)
251	911530567	निरीक्षक / मंत्रा0	एस.वी. मोनी	कार्मिक महानिदेशालय		कांस्य (प्रशासन)
252	951550148	उप निरीक्षक / मंत्रा0	रितेश रवीन्द्रन	कार्मिक महानिदेशालय		कांस्य (प्रशासन)
253	961840041	उप निरीक्षक / मंत्रा0	धर्मेंद्र कुमार	कार्मिक महानिदेशालय		कांस्य (प्रशासन)
254	001371779	हवलदार / जीडी	अश्वत एल	122बटा.(कार्मिक म.निदेशा.)		कांस्य (प्रशासन)
255	2653	उप महानिरीक्षक	बी.एस. गुजराल	कार्मिक महानिदेशालय		स्वर्ण (प्रशासन)
256	11571	सहायक कमाण्डेन्ट / मंत्रा.	विश्वरंजन	कार्मिक, महानिदेशालय		रजत (प्रशासन)
257	901560232	निरीक्षक / मंत्रा0	राघवेन्द्र प्रताप सिंह	63बटा.(कार्मिक म.निदेशा.)		कांस्य (प्रशासन)
258	951870152	उप निरीक्षक / मंत्रा0	आनन्द कुमार श्रीवास्तव	233बटा.(कार्मिक महानिदे.)		रजत(प्रशासन)
259	951570202	उप निरीक्षक / मंत्रा0	संजीव कुमार	ग्रु0के0 अमेठी (कार्मिक महानिदेशालय)		कांस्य (प्रशासन)
260	981820053	उप निरीक्षक / मंत्रा0	मनोज कुमार	ग्रु0के0 अमेठी (कार्मिक महानिदेशालय)		कांस्य (प्रशासन)
261	075105714	सिपाही / जीडी	कौशिक डे	165 बटालियन (कार्मिक महानिदेशालय)		कांस्य (प्रशासन)



माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन फोग्सी कार्यक्रम में
श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल को सम्मानित करते हुए।



श्री अजय कुमार भल्ला, ओ.एस.डी., गृह मंत्रालय का महानिदेशालय में
स्वागत करते हुए श्री राजीव राय भटनागर, महानिदेशक, के.रि.पु.बल।



के.रि.पु.बल के 81वें स्थापना दिवस पर इंडिया गेट पर माननीय केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय,
महानिदेशक के.रि.पु.बल श्री राजीव राय भटनागर एवं बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, आर.ए.एफ. साईकिल अभियान टीम के साथ